

قرآن مجید

لफ़ज़ी तरजुमा

eParah

حَمّ

पारा - 26

آياتها: 35

سُورَةُ الْأَحْقَافِ مَكِّيَّةٌ 66

رُكُوعَاتُهَا: 4

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

حَمَّ ①	تَنْزِيلُ	الْكِتَابِ	مِنْ اللَّهِ	الْعَزِيزِ	الْحَكِيمِ ②	مَا
حم	नाज़िल करना है	किताब का	अल्लाह की तरफ से	जो बहुत ज़बरदस्त है	खूब हिक्मत वाला है	नहीं
خَلَقْنَا	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	وَمَا	بَيْنَهُمَا	إِلَّا	بِالْحَقِّ
पैदा किया हमने	आसमानों	और ज़मीन को	और जो कुछ	दर्मियान है इन दोनों के	मगर	साथ हक के
وَاجِلٍ	مُسَيِّطٍ ③	وَالَّذِينَ كَفَرُوا	عَمَّا	أَنْذَرُوا	مُعْرِضُونَ ③	
और वक्त	मुक़रर के	और वो जिन्होंने	कुफ़ किया	उस चीज़ से जो	वो डराए गए	ऐराज़ करने वाले हैं
قُلْ	أَرَأَيْتُمْ	مَا	تَدْعُونَ	مِنْ دُونِ	اللَّهِ	أَرُونِي مَاذَا
कह दीजिए	क्या देखा तुमने	जिन्हें	तुम पुकारते हो	सिवाए	अल्लाह के	दिखाओ मुझे क्या कुछ
خَلَقُوا	مِنَ الْأَرْضِ	أَمْ	لَهُمْ	شِرْكٌ	فِي السَّمَوَاتِ ④	إِيْتُونِي
उन्होंने पैदा किया है	ज़मीन से	या	उनके लिए	कोई शिराक़त है	आसमानों में	लाओ मेरे पास
يَكْتُبُ	مِّن قَبْلِ هَذَا	أَوْ	أَثَرَةٍ	مِّنْ عِلْمٍ	إِنْ	كُنْتُمْ
कोई किताब	इससे पहले की	या	बाक़ी मांदा	इल्म में से	अगर	हो तुम
صَادِقِينَ ④	وَمَنْ	أَضَلُّ	مِمَّنْ	يَدْعُوا	مِنْ دُونِ	اللَّهِ
सच्चे	और कौन	ज़्यादा गुमराह है	उससे जो	पुकारता है	सिवाए	अल्लाह के
مَنْ	لَّا يَسْتَجِيبُ	لَهُ	إِلَى يَوْمِ الْقِيَمَةِ	وَهُمْ	عَنْ دُعَائِهِمْ	
उन्हें जो	नहीं वो जवाब दे सकते	उसे	क़यामत के दिन तक	और वो	उनकी पुकार से	
غُفْلُونَ ⑤	وَإِذَا	حُشِرَ	النَّاسُ	كَانُوا	لَهُمْ	أَعْدَاءُ
शाफ़िल हैं	और जब	जमा किए जाएंगे	लोग	होंगे वो	उनके लिए	दुश्मन

وَكَانُوا	بِعِبَادَتِهِمْ	كُفِرِينَ ⑥	وَإِذَا	تُثْلَى	عَلَيْهِمْ	أَيُّنَا
और होंगे वो	उनकी इबादत के	इंकारी	और जब	पड़ी जाती हैं	उन पर	आयात हमारी
بَيِّنَاتٍ	قَالَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	لِلْحَقِّ	لَبَّأ	جَاءَهُمْ ①
वाजेह	कहा	उन्होंने जिन्होंने	कुफ़ किया	हक़ के बारे में	जब	वो आ गया उनके पास
يَعْلَمُ	مُبِينٌ ⑦	أَمْ	يَقُولُونَ	افْتَرَاهُ ②	قُلْ	إِنْ
जादू	खुल्लम-खुल्ला	या	वो कहते हैं	उसने गढ़ लिया है उसे	कह दीजिए	अगर
فَلَا	تَبْلُكُونَ	لِي	مِنَ اللَّهِ	شَيْئًا ③	هُوَ	أَعْلَمُ
तो नहीं	तुम मालिक हो सकते	मेरे लिए	अल्लाह से	किसी चीज़ के	वो	ज्यादा जानने वाला है
تُفِضُونَ	فِيهِ ④	كَفَى	بِهِ	شَهِيدًا	بَيْنِي	وَبَيْنَكُمْ ⑤
तुम मशगूल होते हो	जिसमें	काफ़ी है	उसका	गवाह होना	दर्मियान मेरे	और दर्मियान तुम्हारे
الْغَفُورُ	الرَّحِيمُ ⑧	قُلْ	مَا	كُنْتُ	بِدْعًا	مِّنَ الرُّسُلِ
बहुत बख़्शने वाला	निहायत रहम करने वाला	कह दीजिए	नहीं	हूँ मैं	नया/अनोखा	रसूलों में से
وَمَا	أَدْرِي	مَا	يُفَعَّلُ	بِي	وَلَا	بِكُمْ ⑥
और नहीं	मैं जानता	क्या	किया जाएगा	मेरे साथ	और ना	तुम्हारे साथ
إِلَّا	مَا	يُوحَى	إِلَى	وَمَا	أَنَا	إِلَّا
मगर	उसकी जो	वही की जाती ही	मेरी तरफ़	और नहीं	मैं	मगर
مُبِينٌ ⑨	قُلْ	أَرَأَيْتُمْ	إِنْ	كَانَ	مِنَ عِنْدِ اللَّهِ	وَكَفَرْتُمْ
खुल्लम-खुल्ला	कह दीजिए	क्या देखा तुमने	अगर	है वो	अल्लाह की तरफ़ से	और कुफ़ किया तुमने
بِهِ	وَشَهِدَ	شَهِدٌ	مِّنْ بَنِي إِسْرَءِيلَ	عَلَىٰ مِثْلِهِ	فَأَمَّنْ	
साथ उसके	और गवाही दे चुका	एक गवाह	बनी इस्राईल में से	इस जैसे (कलाम) पर	पस वो ईमान ले आया	

ع 10

وَاسْتَكْبَرْتُمْ ^ط	إِنَّ	اللَّهَ	لَا يَهْدِي الْقَوْمَ	الظَّالِمِينَ ^{ع 10}	وَقَالَ
और तकबुर किया तुमने	बेशक	अल्लाह	नहीं वो हिदायत देता	उन लोगों को जो ज़ालिम हैं	और कहा
الَّذِينَ	كَفَرُوا	لِلَّذِينَ	أَمَنُوا	لَوْ	كَانَ
उन लोगों ने जिन्होंने	कुफ़ किया	उनसे जो	ईमान लाए	अगर	होता वो
سَبَقُونَا	إِلَيْهِ ^ط	وَإِذْ	لَمْ	يَهْتَدُوا	بِهِ
वो सबक़त ले जाते हम पर	तरफ़ उसके	और जबकि	नहीं	उन्होंने हिदायत पाई	साथ इसके
هَذَا	إِفْكٌ	قَدِيمٌ ¹¹	وَمِنْ قَبْلِهِ	كِتَابٌ	مُوسَى
ये	झूठ है	पुराना	और इससे पहले थी	किताब	मूसा की
وَرَحْمَةً ^ط	وَهَذَا	كِتَابٌ	مُصَدِّقٌ	لِّسَانًا	عَرَبِيًّا
और रहमत	और ये	किताब है	तस्दीक करने वाली	अरबी ज़बान में	ताकि वो डराए
الَّذِينَ	ظَلَمُوا ^ط	وَبُشْرَى	لِلْحَسَنِينَ ^{ج 12}	إِنَّ	الَّذِينَ
उन्हें जिन्होंने	ज़ुल्म किया	और खुशख़बरी है	नेकोकारों के लिए	बेशक	वो जिन्होंने
رَبَّنَا	اللَّهُ	ثُمَّ	اسْتَقَامُوا	فَلَا	خَوْفٌ
रब हमारा	अल्लाह है	फिर	उन्होंने इस्ति़क़ामत इस्ति़यार की	तो ना	कोई ख़ौफ़ होगा
يَحْزَنُونَ ^{ج 13}	أُولَئِكَ	أَصْحَابُ	الْجَنَّةِ	خُلِدِينَ	فِيهَا ^ه
वो ग़मगीन होंगे	यही लोग हैं	साथी	जन्नत के	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें
بِأَ	كَانُوا	يَعْمَلُونَ ¹⁴	وَوَصَّيْنَا	الْإِنْسَانَ	بِوَالِدَيْهِ
बवज़ह उसके जो	थे वो	वो अमल करते	और ताकीद की हमने	इंसान को	साथ अपने वालिदैन के
حَبَلَتْهُ	أُمُّهُ	كُرْهًا	وَوَضَعَتْهُ	كُرْهًا ^ط	وَحَبْلُهُ
उठाया उसे	उसकी मां ने	तकलीफ़ से	और उसने जन्म दिया उसे	तकलीफ़ से	और हमल उसका
					और दूध छुड़ाना उसका

ثَلَاثُونَ	شَهْرًا ^ط	حَتَّى	إِذَا	بَلَغَ	أَشُدَّهُ	وَبَلَغَ	أَرْبَعِينَ
तीस	माह है	यहां तक कि	जब	वो पहुंच गया	अपनी जवानी को	और वो पहुंचा	चालीस
سَنَةً ^ل	قَالَ	رَبِّ	أَوْزَعْنِي	أَنْ	أَشْكُرَ	نِعْمَتَكَ	الَّتِي
साल को	उसने कहा	ऐ मेरे रब	तौफ़ीक़ दे मुझे	कि	मैं शुक्र अदा करूं	तेरी नेअमत का	वो जो
أَنْعَمْتَ	عَلَيَّ	وَعَلَى وَالِدَيَّ	وَأَنْ	أَعْمَلَ	صَالِحًا	تَرْضَاهُ	
इनआम की तूने	मुझ पर	और मेरे वालिदैन पर	और ये कि	मैं अमल करूं	नेक	तू राज़ी हो जाए जिस से	
وَأَصْلِحْ	لِي	فِي ذُرِّيَّتِي ^ط	إِنِّي	تُبْتُ	إِلَيْكَ	وَإِنِّي	
और इस्लाह कर दे	मेरे लिए	मेरी औलाद में	बेशक मैं	तौबा की मैंने	तरफ़ तेरे	और बेशक मैं	
مِنَ الْمُسْلِمِينَ ¹⁵	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	نَتَقَبَّلُ	عَنْهُمْ	أَحْسَنَ	مَا	
मुसलमानों में से हूं	यही वो लोग हैं	जो	हम कुबूल कर लेते हैं	उनसे	बेहतरीन	जो	
عَمِلُوا	وَنَتَجَاوَزُ	عَنْ سَيِّئَاتِهِمْ	فِي أَصْحَابِ الْجَنَّةِ ^ط	وَعَدَ			
उन्होंने अमल किए	और हम दरगुज़र करते हैं	उनकी बुराईयों से	जन्नत वालों में होंगे	वादा है			
الصِّدْقِ	الَّذِي	كَانُوا	يُوعِدُونَ ¹⁶	وَالَّذِي	قَالَ	لِوَالِدَيْهِ	
सच्चा	वो जो	थे वो	वो वादा किए जाते	और वो जिसने	कहा	अपने वालिदैन से	
أَفِّ	لَكُمْ ^أ	أَتَعِدَانِي	أَنْ	أُخْرَجَ	وَقَدْ	خَلَّتِ	الْقُرُونُ
उफ़	तुम दोनों के लिए	क्या तुम मुझे धमकी देते हो	कि	मैं निकाला जाऊंगा	हालांकि तहक़ीक़	गुज़र चुकीं	उम्मतें
مِنْ قَبْلِي ^ه	وَهُمَا	يَسْتَغِيثُنِ	اللَّهُ	وَيْلَكَ	أَمِنْ ^ق	إِنَّ	
मुझ से पहले	और वो दोनों	वो दोनों फरियाद करते हैं	अल्लाह से	(कहते हैं) तेरा बुरा हो	ईमान ले आ	बेशक	
وَعَدَ	اللَّهُ	حَقٌّ ^ط	فَيَقُولُ	مَا	هَذَا	إِلَّا	أَسَاطِيرُ
वादा	अल्लाह का	सच्चा है	तो वो कहता है	नहीं	ये	मगर	कहानियां

الْأَوَّلِينَ ⑰	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	حَقَّ	عَلَيْهِمْ	الْقَوْلُ	فِي أُمَمٍ
पहलों की	यही वो लोग हैं	जो	हक़ हो गई	उन पर	बात	उम्मतों में
قَدْ	خَلَّتْ	مِنْ قَبْلِهِمْ	مِّنَ الْجِنِّ	وَالْإِنْسِ ٭	إِنَّهُمْ	كَانُوا
तहकीक़	जो गुज़र चुकीं	उनसे पहले	जिन्नों में से	और इंसानों में से	बेशक वो	थे वो
خَسِرِينَ ⑱	وَلِكُلِّ	دَرَجَتٍ	مِّمَّا	عَمِلُوا ٭	وَلِيُوفِّيَهُمْ	
ख़सारा पाने वाले	और हर एक के लिए	दर्जे हैं	उसमें से जो	उन्होंने अमल किए	और ताकि वो पूरा पूरा बदला दे उन्हें	
أَعْمَالَهُمْ	وَهُمْ	لَا يُظْلَمُونَ ⑲	وَيَوْمَ	يُعْرَضُ	الَّذِينَ	
उनके आमाल का	और वो	वो ज़ुल्म ना किए जाएंगे	और जिस दिन	पेश किए जाएंगे	वो जिन्होंने	
كَفَرُوا	عَلَى النَّارِ ٭	أَذْهَبْتُمْ	طَبِيتَكُمْ	فِي حَيَاتِكُمْ	الدُّنْيَا	
कुफ़्र किया	आग पर	(कहा जाएगा) ले चुके तुम	अपनी नेअमत्तें	अपनी ज़िंदगी में	दुनिया की	
وَأَسْتَمْتَعْتُمْ بِهَا ٭	فَالْيَوْمَ	تُجْزَوْنَ	عَذَابَ	الْهُونِ	بِهَا	
और फ़ायदा उठा लिया तुमने	उनका	तो आज	तुम बदला दिए जाओगे	अज़ाब	रुस्वाई का	बवजह उसके जो
كُنْتُمْ	تُسْتَكْبِرُونَ	فِي الْأَرْضِ	بِغَيْرِ	الْحَقِّ	وَبِهَا	كُنْتُمْ
थे तुम	तुम तकबुर करते	ज़मीन में	बग़ैर	हक़ के	और बवजह उसके जो	थे तुम
تَفْسُقُونَ ⑳	وَإِذْ كُرَّ	أَخَا	عَادٍ ٭	إِذْ	أَنْذَرَ	قَوْمَهُ
तुम नाफ़रमानी करते	और ज़िक्र कीजिए	भाई का	आद के	जब	उसने डराया	अपनी क़ौम को
بِالْأَحْقَافِ	وَقَدْ	خَلَّتْ	النُّذُرُ	مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ	وَمِنْ خَلْفِهِ	
अहक़ाफ़ में	और तहकीक़	गुज़र चुके	कई डराने वाले	इससे पहले	और इसके बाद	
إِلَّا	تَعْبُدُوا	إِلَّا	اللَّهُ ٭	إِنِّي	أَخَافُ	عَذَابَ
कि ना	तुम इबादत करो	मगर	अल्लाह की	बेशक मैं	मैं डरता हूँ	अज़ाब से

يَوْمٍ عَظِيمٍ ②①	قَالُوا	أَجَعْتَنَا	لِتَأْفِكَنَا	عَنِ الْهَيْتَانِ
एक बड़े दिन के	उन्होंने कहा	क्या आया है तू हमारे पास	ताकि तू फेर दे हमें	हमारे इलाहों से
فَاتِنَا	بِمَا	تَعِدُنَا	إِنْ	كُنْتَ
पस ले आ हमारे पास	जिसकी	तू धमकी देता है हमें	अगर	है तू
فَاتِنَا	بِمَا	تَعِدُنَا	إِنْ	كُنْتَ
पस ले आ हमारे पास	जिसकी	तू धमकी देता है हमें	अगर	है तू
إِنَّمَا	الْعِلْمُ	عِنْدَ	اللَّهِ	وَأُبَلِّغُكُمْ
बेशक	इल्म	पास है	अल्लाह के	और मैं पहुंचाता हूं तुम्हें
إِنَّمَا	الْعِلْمُ	عِنْدَ	اللَّهِ	وَأُبَلِّغُكُمْ
बेशक	इल्म	पास है	अल्लाह के	और मैं पहुंचाता हूं तुम्हें
بِهِ	وَلَكِنِّي	أَرَاكُمْ	قَوْمًا	تَجْهَلُونَ ②③
साथ इसके	और लेकिन मैं	मैं देखता हूं तुम्हें	ऐसे लोग	तुम जहालत बरत्ते हो
بِهِ	وَلَكِنِّي	أَرَاكُمْ	قَوْمًا	تَجْهَلُونَ ②③
साथ इसके	और लेकिन मैं	मैं देखता हूं तुम्हें	ऐसे लोग	तुम जहालत बरत्ते हो
عَارِضًا	مُسْتَقْبِلَ	أَوْدِيَّتِهِمْ	قَالُوا	هَذَا
एक बादल	सामने आने वाला	उनकी वादियों के	उन्होंने कहा	ये
عَارِضًا	مُسْتَقْبِلَ	أَوْدِيَّتِهِمْ	قَالُوا	هَذَا
एक बादल	सामने आने वाला	उनकी वादियों के	उन्होंने कहा	ये
بَلْ	هُوَ	مَا	اسْتَعْجَلْتُمْ	بِهِ
बल्कि	ये वो है	जो	जल्दी मचा रहे थे तुम	इसकी
بَلْ	هُوَ	مَا	اسْتَعْجَلْتُمْ	بِهِ
बल्कि	ये वो है	जो	जल्दी मचा रहे थे तुम	इसकी
أَلَيْمٌ ②④	تُدَمِّرُ	كُلَّ	شَيْءٍ	بِأَمْرِ
दर्दनाक	वो तबाह कर देगी	हर	चीज़ को	हुक्म से
أَلَيْمٌ ②④	تُدَمِّرُ	كُلَّ	شَيْءٍ	بِأَمْرِ
दर्दनाक	वो तबाह कर देगी	हर	चीज़ को	हुक्म से
لَا يُرَى	إِلَّا	مَسْكِنُهُمْ	كَذَلِكَ	نَجْزِي
कि ना दिखाई देता था (कुछ भी)	सिवाए	उनके घरों के	इसी तरह	हम बदला दिया करते हैं
لَا يُرَى	إِلَّا	مَسْكِنُهُمْ	كَذَلِكَ	نَجْزِي
कि ना दिखाई देता था (कुछ भी)	सिवाए	उनके घरों के	इसी तरह	हम बदला दिया करते हैं
الْجُرْمِينَ ②⑤	وَلَقَدْ	مَكَّنَّهُمْ	فِيهَا	إِنْ
जो मुजरिम हैं	और अलबत्ता तहक़ीक़	कुदरत दी हमने उन्हें	उसमें जो	नहीं
الْجُرْمِينَ ②⑤	وَلَقَدْ	مَكَّنَّهُمْ	فِيهَا	إِنْ
जो मुजरिम हैं	और अलबत्ता तहक़ीक़	कुदरत दी हमने उन्हें	उसमें जो	नहीं
وَجَعَلْنَا	لَهُمْ	سَبْعًا	وَأَبْصَارًا	وَأَفْئِدَةً
और बनाए हमने	उनके लिए	कान	और आंखें	और दिल
وَجَعَلْنَا	لَهُمْ	سَبْعًا	وَأَبْصَارًا	وَأَفْئِدَةً
और बनाए हमने	उनके लिए	कान	और आंखें	और दिल

سَمِعَهُمْ	وَلَا	أَبْصَارُهُمْ	وَلَا	أَفْئِدَتُهُمْ	مِنْ شَيْءٍ	إِذْ
कान उनके	और ना	आंखें उनकी	और ना	दिल उनके	कुछ भी	जब
كَانُوا	يَجْحَدُونَ ^{٢٦}	بِآيَاتِ	اللَّهِ	وَحَاقَ	بِهِمْ	مَا كَانُوا
थे वो	वो इंकार करते	आयात का	अल्लाह की	और घेर लिया	उन्हें	उसने जो
بِهِ	يَسْتَهْزِءُونَ ^{٢٦}	وَلَقَدْ	أَهْلَكْنَا	مَا	حَوْلَكُمْ	مِّنَ الْقُرَى
उसका	वो मज़ाक उड़ाते	और अलबत्ता तहकीक	हलाक कर दिया हमने	जो	तुम्हारे इर्द-गिर्द है	बस्तियों में से
وَصَرَّفْنَا	الْآيَاتِ	لَعَلَّهُمْ	يَرْجِعُونَ ^{٢٧}	فَلَوْلَا	نَصْرَهُمْ	
और फेर-फेर कर लाए हम	आयात को	ताकि वो	वो लौट आएं	तो क्यों ना	मदद की उनकी	
الَّذِينَ	اتَّخَذُوا	مِن دُونِ	اللَّهِ	قُرْبَانًا	إِلَهَةً ^{٢٨}	بَلْ ضَلُّوا
उन्होंने जिनको	उन्होंने बनाया	सिवाए	अल्लाह के	तकरब के लिए	कुछ इलाह	बल्कि
عَنْهُمْ ^{٢٩}	وَذَلِكَ	إِفْكَهُمُ	وَمَا	كَانُوا	يَفْتَرُونَ ^{٢٨}	وَإِذْ
उनसे	और ये	झूठ था उनका	और जो	थे वो	वो गढ़ा करते	और जब
صَرَفْنَا	إِلَيْكَ	نَفَرًا	مِّنَ الْجِنَّ	يَسْتَبْعُونَ	الْقُرْآنَ ^{٢٩}	فَلَبَّا
फेर लाए हम	तरफ़ आपके	एक गिरोह	जिन्नों में से	जो गौर से सुन रहे थे	कुरआन	फिर जब
حَضَرُوهُ	قَالُوا	أَنْصِتُوا ^{٣٠}	فَلَبَّا	قُضِيَ	وَلَّوْا	إِلَى قَوْمِهِمْ
वो हाज़िर हुए उसके पास	वो कहने लगे	चुप हो जाओ	तो जब	वो पूरा कर दिया गया	वो वापस लौटे	तरफ़ अपनी क़ौम के
مُنْذِرِينَ ^{٢٩}	قَالُوا	يَقُومَنَا	إِنَّا	سَبَعْنَا	كِتَبًا	أُنْزِلَ
डराने वाले बन कर	उन्होंने कहा	ऐ हमारी क़ौम	बेशक हम	सुना हमने	एक किताब को	जो नाज़िल की गई
مِنْ بَعْدِ	مُوسَى	مُصَدِّقًا	لِّهَا	بَيْنَ يَدَيْهِ	يَهْدِي	
बाद	मूसा के	तस्दीक करने वाली है	उसकी जो	इससे पहले है	वो रहनुमाई करती है	

إِلَى الْحَقِّ	وَإِلَى طَرِيقٍ	مُسْتَقِيمٍ ③٠	يُقَوْمَنَا	أَجِيبُوا	دَاعِيَ اللَّهِ
तरफ़ हक के	और तरफ़ रास्ते	सीधे के	ऐ हमारी क्रौम	जवाब दो	अल्लाह के दाई को
وَأَمِنُوا	بِهِ	يَغْفِرُ	لَكُمْ	مِّنْ ذُنُوبِكُمْ	وَيَجْزُكُمْ
और ईमान ले आओ	उस पर	वो बख़्श देगा	तुम्हारे लिए	तुम्हारे गुनाहों को	और वो पनाह देगा तुम्हें
مِّنْ عَذَابٍ أَلِيمٍ ③١	وَمَنْ	لَّا يُجِبُ	دَاعِيَ اللَّهِ	فَلَيْسَ	
दर्दनाक अज़ाब से	और जो	ना जवाब दे	अल्लाह के दाई को	तो नहीं है वो	
بِسُجُزٍ	فِي الْأَرْضِ	وَلَيْسَ	لَهُ	مِنْ دُونِهِ	أَوْلِيَاءُ ٭
आजिज़ करने वाला	ज़मीन में	और नहीं	उसके लिए	उसके सिवा	कोई मददगार
يُحْيِي	فِي ضَلَلٍ	مُّبِينٍ ③٢	أَوْ لَمْ	يَرَوْا	أَنَّ
गुमराही में	खुली	क्या भला नहीं	उन्होंने देखा	बेशक	अल्लाह
السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	وَلَمْ	يَعَى	بِخَلْقِهِنَّ	بِقَدْرِ
आसमानों	और ज़मीन को	और नहीं	वो थका	उनको पैदा करने से	क्रादिर है
يُحْيِي	الْهَوْتِ ٭	بَلَى	إِنَّهُ	عَلَى	كُلِّ شَيْءٍ
वो ज़िंदा कर दे	मुर्दों को	क्यों नहीं	बेशक वो	ऊपर	हर चीज़ के
وَيَوْمَ	يُعْرَضُ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	عَلَى النَّارِ ٭	أَلَيْسَ
और जिस दिन	पेश किए जाएंगे	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	आग पर	क्या नहीं है
بِالْحَقِّ ٭	قَالُوا	بَلَى	وَرَبَّنَا ٭	قَالَ	فَذُوقُوا
हक	वो कहेंगे	क्यों नहीं	कसम है हमारे रब की	वो फ़रमाएगा	पस चखो
بِمَا	كُنْتُمْ	تَكْفُرُونَ ③٤	فَاصْبِرْ	كَمَا	صَبَرَ
बवजह उसके जो	थे तुम	तुम कुफ़्र करते	पस सब्र कीजिए	जैसा कि	सब्र किया
					أُولُوا الْعَزْمِ
					ऊलुल अज़म/हिम्मत वालों ने

مِنَ الرُّسُلِ وَلَا	تَسْتَعْجِلْ	لَهُمْ ط	كَانَهُمْ	يَوْمَ	يَرُونَ
रसूलों में से	आप जल्दी तलब कीजिए	उनके लिए	गोया कि वो	जिस दिन	वो देखेंगे

مَا	يُوعِدُونَ لَا	لَمْ	يَلْبَثُوا	إِلَّا	سَاعَةً	مِّنْ نَّهَارٍ ط
जो	वो वादा किए जाते हैं	नहीं	वो ठहरे	मगर	एक घड़ी	दिन की

بَلَغْ ه	فَهَلْ	يُهْلِكُ	إِلَّا	الْقَوْمُ	الْفٰسِقُونَ ع 35
पहुँचा देना है	तो नहीं	हलाक किया जाएगा	मगर	उन लोगों को	जो फ़ासिक है

آيَاتُهَا: 38	47 سُورَةُ مُحَمَّدٍ مَدَنِيَّةٌ 95	رُكُوعَاتُهَا: 4
---------------	-------------------------------------	------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الَّذِينَ	كَفَرُوا	وَصَدُّوا	عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ	أَضَلَّ
वो लोग जिन्होंने	कुफ़ किया	और उन्होंने रोका	अल्लाह के रास्ते से	उसने ज़ाया कर दिए

أَعْمَالَهُمْ ①	وَالَّذِينَ	آمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	وَأَمَنُوا	بِهَا
आमाल उनके	और वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	और वो ईमान लाए	उस पर जो

نُزِّلَ	عَلَى مُحَمَّدٍ	وَهُوَ	الْحَقُّ	مِنْ رَبِّهِمْ لَا	كَفَرُوا	عَنْهُمْ
नाज़िल किया गया	मोहम्मद पर	और वो ही	हक़ है	उनके रब की तरफ़ से	उसने दूर कर दीं	उनसे

سَيِّئَاتِهِمْ	وَأَصْلَحَ	بِأَلَهُمْ ②	ذَلِكَ	بِأَنَّ	الَّذِينَ	كَفَرُوا
बुराईयां उनकी	और उसने दुरुस्त कर दिया	हाल उनका	ये	बवजह उसके	वो जिन्होंने	कुफ़ किया

اتَّبِعُوا	الْبَاطِلَ	وَأَنَّ	الَّذِينَ	آمَنُوا	اتَّبِعُوا	الْحَقَّ
उन्होंने पैरवी की	बातिल की	और ये कि	वो लोग जो	ईमान लाए	उन्होंने पैरवी की	हक़ की

مِنْ رَبِّهِمْ ط	كَذَلِكَ	يَضْرِبُ	اللَّهُ	لِلنَّاسِ	أَمْثَالَهُمْ ③	فَإِذَا
अपने रब की तरफ़ से	इसी तरह	बयान करता है	अल्लाह	लोगों के लिए	मिसालें उनकी	फिर जब

لَقِيتُمْ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	فَضْرَبَ	الرِّقَابَ ط	حَتَّى	إِذَا
मिलो तुम	उनसे जिन्होंने	कुफ़ किया	तो मारना है	गर्दनोँ का	यहां तक कि	जब
اَتَّخَذْتَهُمْ	فَشَدُّوا	الْوُثَاقَ ل	فَأَمَّا	مِّنَّا	بَعْدُ	وَأَمَّا
ख़ूब ख़ून रेज़ी कर चुको तुम उनकी	फिर मज़बूत बांधो	बंधन	फिर ख़्वाह	एहसान करो	इसके बाद	और ख़्वाह
فِدَاءً	حَتَّى	تَضَعُ	الْحَرْبُ	أَوْزَارَهَا ش	ذَٰلِكَ ط	وَلَوْ
फ़िदया लो	यहां तक कि	रख दे	जंग	हथियार अपने	ये है (हुक़्म)	और अगर
اللَّهُ	لَا تَنْتَصِرَ	مِنْهُمْ	وَلَكِنْ	لِّيَبْلُوَ	بَعْضَكُمْ	بِبَعْضٍ ط
अल्लाह	अलबत्ता वो बदला ले लेता	उनसे	और लेकिन	ताकि वो आज़माए	तुम्हारे बाज़ को	साथ बाज़ के
وَالَّذِينَ	قَتَلُوا	فِي سَبِيلِ اللَّهِ	فَلَنْ	يُضِلَّ	أَعْمَالَهُمْ ④	
और वो लोग जो	मारे गए	अल्लाह के रास्ते में	तो हरगिज़ ना	वो ज़ाया करेगा	आमाल उनके	
سَيَهْدِيهِمْ	وَيُضِلُّ	بَالَهُمْ ج	وَيُدْخِلُهُمُ	الْجَنَّةَ		
ज़रूर वो रहनुमाई करेगा उनकी	और वो दुरुस्त कर देगा	हाल उनके	और वो दाख़िल करेगा उन्हें	उस जन्नत में		
عَرَفَهَا	لَهُمْ ⑥	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	إِنْ	تَنْصُرُوا	
उसने पहचान करा दी जिसकी	उन्को	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	अगर	तुम मदद करोगे	
اللَّهُ	يَنْصُرْكُمْ	وَيُثَبِّتْ	أَقْدَامَكُمْ ⑦	وَالَّذِينَ	كَفَرُوا	فَتَعَسَا
अल्लाह की	वो मदद करेगा तुम्हारी	और वो जमा देगा	तुम्हारे क़दमों को	और वो लोग जिन्होंने	कुफ़ किया	पस तबाही है
لَّهُمْ	وَاضَلَّ	أَعْمَالَهُمْ ⑧	ذَٰلِكَ	بِأَنَّهُمْ	كَرِهُوا	مَا
उनके लिए	और उसने ज़ाया कर दिए	आमाल उनके	ये	बवज़ह उसके कि वो	उन्होंने नापसंद किया	जो
أَنْزَلَ	اللَّهُ	فَاحْبَطَ	أَعْمَالَهُمْ ⑨	أَفَلَمْ	يَسِيرُوا	فِي الْأَرْضِ
नाज़िल किया	अल्लाह ने	तो उसने बर्बाद कर दिए	आमाल उनके	क्या फिर नहीं	वो चले फिरे	ज़मीन में

فَيَنْظُرُوا	كَيْفَ	كَانَ	عَاقِبَةُ	الَّذِينَ	مِنْ قَبْلِهِمْ ^ط	دَمَّرَ
तो वो देखते	किस तरह	हुआ	अंजाम	उन लोगों का जो	उनसे पहले थे	हलाकत डाली
اللَّهُ	عَلَيْهِمْ ^ز	وَالْكَافِرِينَ	أَمْثَالُهَا ¹⁰	ذَلِكَ	بِأَنَّ	اللَّهُ
अल्लाह ने	उन पर	और काफ़िरों के लिए	इस जैसी (सज़ाएँ) हैं	ये	बवज़ह इसके कि	अल्लाह
مَوْلَى	الَّذِينَ	أَمَنُوا	وَأَنَّ	الْكَافِرِينَ	لَا مَوْلَى	لَهُمْ ¹¹
मददगार है	उन लोगों का जो	ईमान लाए	और बेशक	काफ़िर	नहीं कोई मददगार	उनका
إِنَّ	اللَّهُ	يُدْخِلُ	الَّذِينَ	أَمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ
बेशक	अल्लाह	वो दाख़िल करेगा	उन लोगों को जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक
جَنَّتْ	تَجْرِي	مِنْ تَحْتِهَا	الْأَنْهَارُ ^ط	وَالَّذِينَ	كَفَرُوا	يَتَّبِعُونَ
बागात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	और वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	वो फ़ायदा उठाते हैं
وَيَأْكُلُونَ	كَمَا	تَأْكُلُ	الْأَنْعَامُ	وَالنَّارُ	مَثْوًى	لَهُمْ ¹²
और वो खाते हैं	जैसा कि	खाते हैं	जानवर	और आग	ठिकाना है	उनका
وَكَأَيِّنْ	مِّنْ قَرْيَةٍ	هِيَ	أَشَدُّ	قُوَّةً	مِّنْ قَرْيَتِكَ	الَّتِي
और कितनी ही	बस्तियां	वो	ज़्यादा शदीद थीं	कुव्वत में	आपकी बस्ती से	वो जिसने
أَخْرَجْتُكَ ^ج	أَهْلَكْنَاهُمْ	فَلَا	نَاصِرَ	لَهُمْ ¹³	أَفْسَنَ	كَانَ
निकाल दिया आपको	हलाक किया हमने उन्हें	पस ना था	कोई मदद करने वाला	उनके लिए	क्या भला जो	हो
عَلَىٰ بَيِّنَةٍ	مِّن رَّبِّهِ	كَمَنْ	زُيِّنَ	لَهُ	سُوءٌ	عَمِلَهُ
ऊपर एक वाज़ेह दलील के	अपने रब की तरफ़ से	मानिंद उसके हो सकता है जो	मुज़य्यन कर दिए गए हों	उसके लिए	बुरे	अमल उसके
وَاتَّبِعُوا	أَهْوَاءَهُمْ ¹⁴	مِثْلُ	الْجَنَّةِ	الَّتِي	وَعِدَ	الْمُتَّقُونَ ^ط
और उन्होंने पैरवी की	अपनी ख़्वाहिशात की	मिसाल	उस जन्नत की	वो जो	वादा किए गए	मुत्तक़ी लोग

فِيهَا	أَنْهَرُ	مِنْ مَّاءٍ	غَيْرِ	أَسِينٌ	وَأَنْهَرُ	مِنْ لَبَنٍ	لَمْ
उसमें	नहरें हैं	पानी की	ना	बदलने वाले	और नहरें हैं	दूध की	ना
يَتَغَيَّرُ	طَعْبُهُ	وَأَنْهَرُ	مِنْ خَبِرٍ	لَذَّةٍ	لِلشَّرِبِينَ	وَأَنْهَرُ	
तब्दील होगा	मज़ा जिसका	और नहरें हैं	शराब की	बाइसे लज़ज़त हैं	पीने वालों के लिए	और नहरें हैं	
مِنْ عَسَلٍ	مُصَفًّى	وَلَهُمْ	فِيهَا	مِنْ كُلِّ	الشَّجَرَاتِ	وَمَغْفِرَةً	
शहद की	ख़ूब साफ़ किया हुआ	और उनके लिए हैं	उसमें	हर क्रिस्म के	फल	और बख़्शिश	
مِنْ رَبِّهِمْ	كَمَنْ	هُوَ	خَالِدٌ	فِي النَّارِ	وَسُقُوا		
उनके रब की तरफ़ से	मानिंद उसके हो सकता है जो	वो	हमेशा रहने वाला है	आग में	और वो पिलाए जाएंगे		
مَاءٍ	حَيِيًّا	فَقَطَّعَ	أَمْعَاءَهُمْ	وَمِنْهُمْ	مَنْ	يَسْتَبْعُ	
पानी	ख़ौलता हुआ	तो वो काट देगा	आंतें उनकी	और उनमें से कुछ वो हैं	जो	ग़ौर से सुनते हैं	
إِلَيْكَ	حَتَّى	إِذَا	خَرَجُوا	مِنْ عِنْدِكَ	قَالُوا	لِلَّذِينَ	
आपको	यहां तक कि	जब	वो निकलते हैं	आपके पास से	वो कहते हैं	उन लोगों से जो	
أَوْثُوا	الْعِلْمَ	مَاذَا	قَالَ	أَيَفَافُ	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	طَبَعَ
दिए गए	इल्म	क्या कुछ	उसने कहा था	अभी	यही वो लोग हैं	जो	मोहर लगा दी
اللَّهُ	عَلَى قُلُوبِهِمْ	وَاتَّبَعُوا	أَهْوَاءَهُمْ	وَالَّذِينَ	اهْتَدَوْا		
अल्लाह ने	उनके दिलों पर	और उन्होंने पैरवी की	अपनी ख़्वाहिशात की	और वो जिन्होंने	हिदायत पाई		
زَادَهُمْ	هُدًى	وَأَتَتْهُمْ	تَقْوَاهُمْ	فَهَلْ	يَنْظُرُونَ	إِلَّا	
उसने ज़्यादा किया उन्हें	हिदायत में	और उसने दिया उन्हें	तक़वा उनका	तो नहीं	वो इन्तिज़ार करते	मगर	
السَّاعَةِ	أَنْ	تَأْتِيَهُمْ	بَغْتَةً	فَقَدْ	جَاءَ	أَشْرَاطُهَا	
क्रयामत का	कि	वो आ जाए उनके पास	अचानक	तो तहकीक़	आ चुकीं	अलामात उसकी	

فَأَنى	لَهُمْ	إِذَا	جَاءَتْهُمْ	ذِكْرُهُمْ ⑮	فَاعْلَمْ	أَنَّهُ
तो कहां से होगी	उनके लिए	जब	आ जाएगी उनके पास	नसीहत उनकी	तो जान लीजिए	बेशक वो
لَا	إِلَهَ	إِلَّا	اللَّهُ	وَاسْتَغْفِرْ	لِذُنُوبِكَ	وَالْمُؤْمِنِينَ
नहीं	कोई इलाह (बरहक)	मगर	अल्लाह	और बख्शिश मांगिए	अपने कुसूर के लिए	और मोमिन मर्दों के लिए
وَالْمُؤْمِنَاتِ ٦	وَاللَّهُ	يَعْلَمُ	مُتَقَلِّبَكُمْ	وَمَثُوكُمْ ⑰	وَيَقُولُ	ع ٨
और मोमिन औरतों के लिए	और अल्लाह	वो जानता है	चलना फिरना तुम्हारा	और ठिकाना तुम्हारा	और कहते हैं	6
الَّذِينَ	أَمَنُوا	لَوْ لَا	نُزِّلَتْ	سُورَةٌ ٧	فَإِذَا	أُنزِلَتْ
वो लोग जो	ईमान लाए	क्यों नहीं	नाज़िल की गई	कोई सूरत	फिर जब	नाज़िल की जाती है
مُحْكَمَةً	وَذِكْرٍ	فِيهَا	الْقِتَالُ ٨	رَأَيْتَ	الَّذِينَ	فِي قُلُوبِهِمْ
मोहकम	और जिक्र किया जाता है	उसमें	जंग का	आप देखेंगे	उन लोगों को	जिनके दिलों में
مَرَضٌ	يَنْظُرُونَ	إِلَيْكَ	نَظَرَ	السَّغْشِيِّ	عَلَيْهِ	مِنَ الْمَوْتِ ٩
बीमारी है	वो देख रहे होंगे	आपकी तरफ़	(जैसे) देखना	उसका शरीर तारी हो गई हो	जिस पर	मौत की वजह से
فَأُولَى	لَهُمْ ⑳	طَاعَةً	وَقَوْلٍ	مَّعْرُوفٍ ١٠	فَإِذَا	عَزَمَ
तो तबाही/हलाकत है	उनके लिए	इताअत करना	और बात कहना	भली (बेहतर है)	फिर जब	पुख्ता हो जाए
الْأَمْرُ ١١	فَلَوْ	صَدَقُوا	اللَّهُ	لَكَانَ	خَيْرًا	لَّهُمْ ㉑
हुकम (जंग का)	फिर अगर	वो सच्चे रहें	अल्लाह से	अलबत्ता होगा	बेहतर	उनके लिए
عَسَيْتُمْ	إِنْ	تَوَلَّيْتُمْ	أَنْ	تُفْسِدُوا	فِي الْأَرْضِ	وَتَقَطَّعُوا
उम्मीद है तुमसे	कि अगर	हाकिम बन जाओ तुम	ये कि	तुम फ़साद करो	ज़मीन में	और तुम काटो
أَرْحَامَكُمْ ㉒	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	لَعَنَهُمُ	اللَّهُ	فَاصْبَهُمُ	وَأَعَى
अपने रिश्तों को	यही वो लोग हैं	जो	लाअनत की उन पर	अल्लाह ने	फिर उसने बहरा कर दिया उन्हें	और उसने अंधा कर दिया

أَبْصَارَهُمْ ②③	أَفَلَا	يَتَذَكَّرُونَ	الْقُرْآنَ	أَمْ	عَلَى قُلُوبٍ
उनकी आंखों को	क्या भला नहीं	वो गौरो फ़िक्र करते	कुरआन में	या	दिलों पर
أَقْفَالُهَا ②④	إِنَّ	الَّذِينَ	ارْتَدُّوا	عَلَى أَدْبَارِهِمْ	مِّنْ بَعْدِ مَا
उनके ताले हैं	बेशक	वो लोग जो	फिर गए	अपनी पुश्तों पर	बाद इसके
تَبَيَّنَ	لَهُمْ	الْهُدَى	الشَّيْطَانُ	سَوَّلَ	لَهُمْ ط
वाज़ेह हो गई	उनके लिए	हिदायत	शैतान ने	आरास्ता कर दिया	उनके लिए
لَهُمْ ②⑤	ذَلِكَ	بِأَنَّهُمْ	قَالُوا	لِلَّذِينَ	كَرِهُوا
उन्हें	ये	बवजह उसके कि वो	वो कहते हैं	उनको जिन्होंने	नापसंद किया
اللَّهُ	سَنُطِيعُكُمْ	فِي بَعْضِ الْأَمْرِ ط	وَاللَّهُ	يَعْلَمُ	
अल्लाह ने	अनकरीब हम इताअत करेंगे तुम्हारी	बाज़ कामों में	और अल्लाह	वो जानता है	
إِسْرَارَهُمْ ②⑥	فَكَيْفَ	إِذَا	تَوَفَّتْهُمْ	الْبَلَاءُ	يَضْرِبُونَ
राज़ उनके	तो क्या होगा	जब	फ़ौत करेंगे उन्हें	फ़रिश्ते	वो मारेंगे
وَجُوهَهُمْ	وَأَدْبَارَهُمْ ②⑦	ذَلِكَ	بِأَنَّهُمْ	اتَّبَعُوا	مَا
उनके चेहरों को	और उनकी पीठों को	ये	बवजह उसके कि वो	उन्होंने पैरवी की	उसकी जिसने
أَسْخَطَ	اللَّهُ	وَكَرِهُوا	رِضْوَانَهُ	فَاحْبَطَ	أَعْبَالَهُمْ ②⑧
गुस्सा दिलाया	अल्लाह को	और उन्होंने नापसंद किया	उसकी रज़ा को	तो उसने ज़ाया कर दिए	आमाल उनके
حَسِبَ	الَّذِينَ	فِي قُلُوبِهِمْ	مَرَضٌ	أَنْ	لَّنْ
समझा है	उन लोगों ने	जिनके दिलों में	बीमारी है	कि	हरगिज़ नहीं
أَضْغَانَهُمْ ②⑨	وَلَوْ	نَشَاءُ	لَا رَيْنَاكَهُمْ	فَلَعَرَفْتَهُمْ	بِسَيِّئِهِمْ ط
कीने उनके	और अगर	हम चाहें	अलबत्ता दिखा दें हम आपको उन्हें	फिर अलबत्ता पहचान लेंगे आप उन्हें	उनके चेहरों से

وَلَتَعْرِفَنَّهُمْ	فِي لَحْنٍ	الْقَوْلِ ط	وَاللَّهُ	يَعْلَمُ	أَعْبَالَكُمْ 30
और अलबत्ता आप ज़रूर पहचान लेंगे उन्हें	अंदाज़/उस्तूब से	गुफ्तगू के	और अल्लाह	वो जानता है	आमाल तुम्हारे
وَلَنَبْلُوَنَّكُمْ	حَتَّى	نَعْلَمَ	الْمُجْهِدِينَ	مِنْكُمْ	وَالصَّابِرِينَ 31
और अलबत्ता हम ज़रूर आजमाएँगे तुम्हें	यहां तक कि	हम जान लें	मुजाहिदों को	तुम में से	और सन्न करने वालों को
وَنَبْلُوا	أَخْبَارَكُمْ 31	إِنَّ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	وَصَدُّوا
और हम आजमाएँगे	तुम्हारे हालात को	बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़ किया	और उन्होंने रोका
عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ	وَشَاقُّوا	الرَّسُولَ	مِنْ بَعْدِ	مَا	تَبَيَّنَ لَهُمْ
अल्लाह के रास्ते से	और उन्होंने मुख़ालिफ़त की	रसूल की	इसके बाद	कि	वाज़ेह हो चुकी
الْهُدَى 32	لَنْ	يُضْرُّوا	اللَّهُ	شَيْعًا ط	وَسَيُحْبِطُ
हिदायत	हरगिज़ नहीं	वो नुक़सान पहुँचा सकते	अल्लाह को	कुछ भी	और अनक़रीब वो ज़ाया कर देगा
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	أَطِيعُوا اللَّهَ	وَاطِيعُوا الرَّسُولَ	وَلَا	تُبْطِلُوا
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	इताअत करो	अल्लाह की	और इताअत करो	रसूल की
أَعْبَالَكُمْ 33	إِنَّ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	وَصَدُّوا	عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ
आमाल अपने	बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़ किया	और उन्होंने रोका	अल्लाह के रास्ते से
ثُمَّ	مَاتُوا	وَهُمْ	كُفَّارٌ	فَلَنْ	يَغْفِرَ
फिर	वो मर गए	इस हाल में कि वो	काफ़िर थे	तो हरगिज़ नहीं	माफ़ करेगा
فَلَا	تَهْنُوا	وَتَدْعُوا	إِلَى السَّلَامِ ط	وَأَنْتُمْ	الْأَعْلَوْنَ ط
पस ना	तुम सुस्ती करो	और (ना) तुम बुलाओ	तरफ़ सुलह के	और तुम ही	ग़ालिब रहने वाले हो
مَعَكُمْ	وَلَنْ	يَيْتَرَكُمْ	أَعْبَالَكُمْ 35	إِنَّمَا	الْحَيَاةُ
साथ है तुम्हारे	और हरगिज़ ना	वो कम करेगा तुमसे	आमाल तुम्हारे	बेशक	ज़िंदगी
					दुनिया की

لَعِبٌ	وَلَهُوَ ط	وَإِنْ	تُؤْمِنُوا	وَتَتَّقُوا	يُؤْتِكُمْ	أُجُورَكُمْ
खेल	और तमाशा है	और अगर	तुम ईमान ले आओ	और तुम तक्रवा करो	वो देगा तुम्हें	अजर तुम्हारे

وَلَا	يَسْأَلُكُمْ	أَمْوَالَكُمْ 36	إِنْ	يَسْأَلُكُمْ هَا	فِيْحِفْكُمْ
और ना	वो तलब करेगा तुमसे	माल तुम्हारे	अगर	वो तलब करे तुमसे उन्हें	फिर वो इसरार करे तुमसे

تَبْخَلُوا	وَيُخْرِجُ	أَضْغَانَكُمْ 37	هَآنْتُمْ	هَؤُلَاءِ	تُدْعُونَ
तुम बुझल करोगे	और वो ज़ाहिर कर देगा	कीने तुम्हारे	सुनो तुम	वो लोग हो	तुम बुलाए जाते हो

لِتَنْفِقُوا	فِي سَبِيلِ اللَّهِ ء	فِيْكُمْ	مَّنْ	يَبْخُلُ ء	وَمَنْ
कि तुम खर्च करो	अल्लाह के रास्ते में	तो तुम में से कोई है	जो	बुझल करता है	और जो

يَبْخُلُ	فَإِنَّمَا	يَبْخُلُ	عَنْ نَفْسِهِ ط	وَاللَّهُ	الْغَنَى
बुझल करता है	तो बेशक वो	वो बुझल करता है	अपने आपसे	और अल्लाह	बहुत गनी है

وَأَنْتُمْ	الْفُقَرَاءُ ء	وَإِنْ	تَتَوَلَّوْا	يَسْتَبْدِلُ	قَوْمًا
और तुम	मोहताज हो	और अगर	तुम मुंह मोड़ोगे	वो बदल लाएगा	एक क़ौम को

غَيْرَكُمْ لا	ثُمَّ	لَا يَكُونُوا	أَمْثَالَكُمْ 38
तुम्हारे सिवा	फिर	ना होंगे वो	तुम जैसे

آيَاتُهَا: 29	سُورَةُ الْفَتْحِ مَدَنِيَّةٌ 111	رُكُوعَاتُهَا: 4
---------------	-----------------------------------	------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

إِنَّا	فَتَحْنَا	لَكَ	فَتْحًا	مُبِينًا 1	لِيَغْفِرَ	لَكَ	اللَّهُ
बेशक हम	फ़तह अता की हमने	आपको	फ़तह	खुली	ताकि बख़्श दे	आपके लिए	अल्लाह

مَا	تَقَدَّمَ	مِنْ ذَنْبِكَ	وَمَا	تَاَخَّرَ	وَيُتِمَّ	نِعْمَتَهُ	عَلَيْكَ
जो	पहले हुआ	आपके कुसूर में से	और जो	बाद में हुआ	और वो पूरा कर दे	अपनी नेअमत को	आप पर

وَيَهْدِيكَ	صِرَاطًا	مُسْتَقِيمًا ②	وَيَنْصُرَكَ	اللَّهُ	نَصْرًا
और वो रहनुमाई करे आपकी	(तरफ़) रास्ते	सीधे के	और मदद फ़रमाए आपकी	अल्लाह	मदद
عَزِيزًا ③	هُوَ	الَّذِي	أَنْزَلَ	السَّكِينَةَ	فِي قُلُوبِ
ज़बरदस्त	वो ही है	जिसने	नाज़िल की	सकीनत	दिलों में
لِيَزِدَادُوا	إِيمَانًا	مَعَ	إِيمَانِهِمْ ④	وَلِلَّهِ	جُنُودُ
ताकि वो बढ़ जाएं	ईमान में	साथ	अपने ईमान के	और अल्लाह ही के लिए हैं	लश्कर
وَالْأَرْضِ ⑤	وَكَانَ	اللَّهُ	عَلِيمًا	حَكِيمًا ⑥	لِيَدْخُلَ
और ज़मीन के	और है	अल्लाह	बहुत इल्म वाला	ख़ूब हिक्मत वाला	ताकि वो दाख़िल करे
وَالْمُؤْمِنَاتِ	جَنَّتِ	تَجْرِي	مِنْ تَحْتِهَا	الْأَنْهَارُ	خَلِيدِينَ
और मोमिन औरतों को	बागात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	हमेशा रहने वाले हैं
وَيُكَفِّرُ	عَنْهُمْ	سَيِّئَاتِهِمْ ⑦	وَكَانَ	ذَلِكَ	عِنْدَ اللَّهِ
और वो दूर कर दे	उनसे	बुराईयां उनकी	और है	ये	अल्लाह के नज़दीक
عَظِيمًا ⑧	وَيُعَذِّبُ	الْمُنْفِقِينَ	وَالْمُنْفِقَاتِ	وَالْمُشْرِكِينَ	
बहुत बड़ी	और वो अज़ाब दे	मुनाफ़िक़ मर्दों	और मुनाफ़िक़ औरतों को	और मुशरिक मर्दों	
وَالْمُشْرِكَةِ	الظَّالِمِينَ	بِاللَّهِ	ظَنَّ	السَّوْءَ ⑨	عَلَيْهِمْ
और मुशरिक औरतों को	जो गुमान करने वाले हैं	अल्लाह के बारे में	गुमान	बुरा	उन्हीं पर है
السَّوْءِ ⑩	وَغَضِبَ	اللَّهُ	عَلَيْهِمْ	وَلَعَنَهُمْ	وَاعَدًا
बुरी	और ग़ज़बनाक हुआ	अल्लाह	उन पर	और उसने लाअनत की उन पर	और उसने तैयार कर रखा है
جَهَنَّمَ ⑪	وَسَاءَتْ	مَصِيرًا ⑫	وَلِلَّهِ	جُنُودُ	السَّهَوَاتِ
जहन्नम को	और वो बहुत ही बुरा	ठिकाना है	और अल्लाह ही के लिए हैं	लश्कर	आसमानों

وَالْأَرْضُ ^ط	وَكَانَ	اللَّهُ	عَزِيزًا	حَكِيمًا ⁷	إِنَّا	أَرْسَلْنَاكَ
और ज़मीन के	और है	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त	ख़ूब हिक्मत वाला	बेशक हम	भेजा हमने आपको
شَاهِدًا	وَمُبَشِّرًا	وَنَذِيرًا ⁸	لِتُؤْمِنُوا	بِاللَّهِ	وَرَسُولِهِ	
गवाही देने वाला	और खुशख़बरी देने वाला	और डराने वाला बनाकर	ताकि तुम ईमान लाओ	अल्लाह पर	और उसके रसूल पर	
وَتُعَزِّرُوهُ	وَتُوقِّرُوهُ ^ط	وَتُسَبِّحُوهُ	بُكْرَةً	وَأَصِيلًا ⁹	إِنَّ	
और तुम कुव्वत दो उसे	और तुम ताज़ीम करो उसकी	और तुम तस्बीह बयान करो उस (अल्लाह) की	सुबह	और शाम	बेशक	
الَّذِينَ	يُبَايِعُونَكَ	إِنَّمَا	يُبَايِعُونَ	اللَّهُ ^ط	يَدُ	اللَّهِ
वो लोग जो	बैअत करते हैं आपसे	बेशक	वो बैअत करते हैं	अल्लाह से	हाथ	अल्लाह का
أَيْدِيهِمْ ^ج	فَمَنْ	تَكَثَّ	فَإِنَّمَا	يَنْكُثُ	عَلَى نَفْسِهِ ^ج	وَمَنْ
उनके हाथों के	तो जो कोई	अहद तोड़ दे	तो बेशक	वो अहद तोड़ता है	अपने ही नफ़्स पर	और जो कोई
أَوْفَىٰ بِمَا	عُهِدَ	عَلَيْهِ	اللَّهُ	فَسِيُؤْتِيهِ	أَجْرًا	عَظِيمًا ¹⁰
उसे जो	अहद किया था उसने	उस पर	अल्लाह से	तो अनक़रीब वो देगा उसे	अजर	बहुत बड़ा
سَيَقُولُ	لَكَ	الْمُخَلَّفُونَ	مِنَ الْأَعْرَابِ	شَغَلْتَنَا	أَمْوَالَنَا	
अनक़रीब कहेंगे	आपको	पीछे रहने वाले	देहातियों/बदवियों में से	कि मशगूल कर लिया हमें	हमारे मालों ने	
وَأَهْلُونَا	فَاسْتَغْفِرْ	لَنَا ^ج	يَقُولُونَ	بِالسِّنْتِهِمْ	مَا	لَيْسَ
और हमारे घर वालों ने	पस बछिश मांगिए	हमारे लिए	वो कहते हैं	अपनी ज़बानों से	जो	नहीं
فِي قُلُوبِهِمْ ^ط	قُلْ	فَمَنْ	يَسْلُكُ	لَكُمْ	مِّنَ اللَّهِ	شَيْعًا
उनके दिलों में	कह दीजिए	पस कौन	मालिक होगा	तुम्हारे लिए	अल्लाह से	किसी चीज़ का
أَرَادَ	بِكُمْ	ضَرًّا	أَوْ	أَرَادَ	بِكُمْ	نَفْعًا ^ط
उसने इरादा किया	तुम्हारे साथ	किसी नुक़सान का	या	उसने इरादा किया	तुम्हारे साथ	किसी नफ़ा का
					बल्कि	है

اللَّهُ	بِهَا	تَعْمَلُونَ	خَيْرًا ⑪	بَلْ	ظَنَنْتُمْ	أَنْ	لَنْ
अल्लाह	उस से जो	तुम अमल करते हो	पूरा बाख़बर	बल्कि	गुमान किया तुमने	कि	हरगिज़ नहीं
يَنْقَلِبَ	الرَّسُولُ	وَالْمُؤْمِنُونَ	إِلَىٰ أَهْلِيهِمْ	أَبَدًا	وَزِين		
पलट कर आएंगे	रसूल	और मोमिन	तरफ़ अपने घर वालों के	कभी भी	और मुज़य्यन कर दी गई		
ذَلِكَ	فِي قُلُوبِكُمْ	وَظَنَنْتُمْ	ظَنَّ	السَّوْءَ ⑫	وَكَنتُمْ	قَوْمًا	
ये (बात)	तुम्हारे दिलों में	और गुमान किया तुमने	गुमान	बुरा	और हो तुम	लोग	
بُورًا ⑫	وَمَنْ لَّمْ	يُؤْمِنْ	بِاللَّهِ	وَرَسُولِهِ	فَانَّا	أَعْتَدْنَا	
हलाक होने वाला	और जो कोई	ना	वो ईमान लाया	अल्लाह पर	और उसके रसूल पर	तो बेशक हम	तैयार कर रखा है हमने
لِلْكَافِرِينَ	سَعِيرًا ⑬	وَاللَّهُ	مُلْكُ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ ⑭		
काफ़िरों के लिए	भड़कती हुई आग को	और अल्लाह ही के लिए है	बादशाहत	आसमानों	और ज़मीन की		
يَغْفِرُ	لِمَنْ	يَشَاءُ	وَيُعَذِّبُ	مَنْ	يَشَاءُ ⑮	وَكَانَ	اللَّهُ
वो बख़्श देगा	जिसे	वो चाहेगा	और वो अज़ाब देगा	जिसे	वो चाहेगा	और है	अल्लाह
غَفُورًا	رَحِيمًا ⑯	سَيَقُولُ	الْمُخَلَّفُونَ	إِذَا	انْطَلَقْتُمْ		
बहुत बख़्शने वाला	निहायत रहम करने वाला	अनक़रीब कहेंगे	पीछे रहने वाले	जब	चलोगे तुम		
إِلَىٰ مَغَانِمَ	لِتَأْخُذُوا هَا	ذَرُونَا	نَتَّبِعْكُمْ ⑰	يُرِيدُونَ	أَنْ		
तरफ़ ग़नीमतों के	ताकि तुम ले सको उन्हें	छोड़ दो हमें	हम पीछे चलें तुम्हारे	वो चाहते हैं	कि		
يُبَدِّلُوا	كَلِمَ	اللَّهُ ⑱	قُلْ	لَنْ	تَتَّبِعُونَا	كَذَلِكَ	قَالَ
वो बदल डालें	कलाम	अल्लाह का	कह दीजिए	हरगिज़ नहीं	तुम पीछे आओगे हमारे	इसी तरह	फ़रमाया
اللَّهُ	مِنْ قَبْلُ ⑲	فَسَيَقُولُونَ	بَلْ	تَحْسَدُونََنَا ⑳	بَلْ	كَانُوا	
अल्लाह ने	इससे पहले	पस ज़रूर वो कहेंगे	बल्कि	तुम हसद करते हो हम से	बल्कि	हैं वो	

لَا يَفْقَهُونَ	إِلَّا	قَلِيلًا ⑮	قُلْ	لِلْمُخَلَّفِينَ	مِنَ الْأَعْرَابِ
नहीं वो समझते	मगर	बहुत कम	कह दीजिए	पीछे रहने वालों से	देहातियों/बदवियों में से
سُتَدْعُونَ	إِلَى قَوْمٍ	أُولَى بَأْسٍ شَدِيدٍ	تُقَاتِلُونَهُمْ	أَوْ	
अनकरीब तुम बुलाए जाओगे	तरफ़ एक क्रौम के	सख़्त जंगजू/लड़ने वाली	तुम जंग करोगे उनसे	या	
يُسَلِّمُونَ ٥	فَإِنْ	تُطِيعُوا	يُؤْتِكُمْ	اللَّهُ	أَجْرًا حَسَنًا ٥ وَإِنْ
वो मुसलमान हो जाएंगे	फिर अगर	तुम इताअत करोगे	देगा तुम्हें	अल्लाह	अज्र अच्छा और अगर
تَتَوَلَّوْا	كَمَا	تَوَلَّيْتُمْ	مِّن قَبْلُ	يُعَذِّبُكُمْ	عَذَابًا أَلِيمًا ⑮
तुम मुंह मोड़ गए	जैसा कि	तुमने मुंह मोड़ा था	इससे पहले	वो अज़ाब देगा तुम्हें	अज़ाब दर्दनाक
لَيْسَ	عَلَى الْأَعْمَى	حَرْجٌ	وَلَا	عَلَى الْأَعْرَجِ	حَرْجٌ وَلَا
नहीं है	अंधे पर	कोई गुनाह	और ना	लंगड़े पर	कोई गुनाह और ना
عَلَى الْمَرِيضِ	حَرْجٌ ٥	وَمَنْ	يُطِيع	اللَّهُ	وَرَسُولَهُ يُدْخِلْهُ
मरीज़ पर	कोई गुनाह	और जो कोई	इताअत करेगा	अल्लाह की	और उसके रसूल की वो दाख़िल करेगा उसे
جَنَّتْ	تَجْرِي	مِنْ تَحْتِهَا	الْأَنْهَارُ ٥	وَمَنْ	يَتَوَلَّ
बागात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	और जो कोई	मुंह फेरेगा वो अज़ाब देगा उसे
عَذَابًا	أَلِيمًا ⑮	لَقَدْ	رَضِيَ	اللَّهُ	عَنِ الْمُؤْمِنِينَ إِذْ
अज़ाब	दर्दनाक	अलबत्ता तहक़ीक़	राज़ी हो गया	अल्लाह	मोमिनों से जब
يُبَايِعُونَكَ	تَحْتَ	الشَّجَرَةِ	فَعَلِمَ	مَا	فِي قُلُوبِهِمْ فَأَنْزَلَ
वो बैअत कर रहे थे आपसे	नीचे	दरख़त के	तो उसने जान लिया	जो	उनके दिलों में था तो उसने उतारी
السَّكِينَةَ	عَلَيْهِمْ	وَأَثَابَهُمْ	فَتْحًا	قَرِيبًا ⑮	وَمَغَانِمَ كَثِيرَةً
सकीनत/तसकीन	उन पर	और अता की उन्हें	फ़तह	करीबी	और ग़नीमतें बहुत सी

يَأْخُذُونَهَا ^ط	وَكَانَ	اللَّهُ	عَزِيزًا	حَكِيمًا ¹⁹	وَعَدَكُمْ	اللَّهُ
वो हासिल करेंगे जिन्हें	और है	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त	बहुत हिक्मत वाला	वादा किया तुमसे	अल्लाह ने
مَغَانِمَ	كَثِيرَةً	تَأْخُذُونَهَا	فَعَجَّلَ	لَكُمْ	هَذِهِ	وَكَفَّ
गनीमतों का	बहुत सी	तुम हासिल करोगे जिन्हें	तो उसने जल्दी दी	तुम्हें	ये	और उसने रोक दिए
أَيْدِيَ النَّاسِ	عَنْكُمْ ^ج	وَلِتَكُونَ	آيَةً	لِّلْمُؤْمِنِينَ	وَيَهْدِيَكُمْ	
हाथ	लोगों के	तुमसे	और ताकि वो हो जाए	एक निशानी	मोमिनों के लिए	और वो हिदायत दे तुम्हें
صِرَاطًا	مُسْتَقِيمًا ²⁰	وَأُخْرَى	لَمْ	تَقْدِرُوا	عَلَيْهَا	قَدْ أَحَاطَ
(तरफ़) रास्ते	सीधे के	और दूसरी (गनीमतें)	नहीं	तुम कादिर हुए	जिन पर	तहक़ीक़
اللَّهُ	بِهَا ^ط	وَكَانَ	اللَّهُ	عَلَى	كُلِّ شَيْءٍ	قَدِيرًا ²¹
अल्लाह ने	उन्हें	और है	अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के ख़ूब कुदरत रखने वाला
قَتَلَكُمْ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	لَوْوُوا	الْأَدْبَارَ	ثُمَّ	لَا يَجِدُونَ
जंग करते तुमसे	वो लोग जिन्होंने	कुफ़्र किया	अलबत्ता वो फेर लेते	पुश्तें	फिर	ना वो पाते
وَلِيًّا	وَلَا	نَصِيرًا ²²	سُنَّةَ	اللَّهِ	الَّتِي	قَدْ خَلَتْ
कोई दोस्त	और ना	कोई मददगार	तरीक़ा	अल्लाह का	वो जो	तहक़ीक़
مِنْ قَبْلُ ^ط	وَلَنْ	تَجِدَ	لِسُنَّةِ	اللَّهِ	تَبْدِيلًا ²³	وَهُوَ
इससे पहले	और हरगिज़ ना	आप पाएंगे	तरीक़े को	अल्लाह के	बदलने वाला	और वो ही है
كَفَّ	أَيْدِيَهُمْ	عَنْكُمْ	وَأَيْدِيَكُمْ	عَنْهُمْ	بِطْنِ	مَكَّةَ
रोक दिया	उनके हाथों को	तुमसे	और तुम्हारे हाथों को	उनसे	वादी में	मक्का की
مِنْ بَعْدِ	أَنْ	أَظْفَرَكُمْ	عَلَيْهِمْ ^ط	وَكَانَ	اللَّهُ	بِهَا
इसके बाद	कि	उसने कामयाब किया तुम्हें	उन पर	और है	अल्लाह	उसे जो

تَعْمَلُونَ	بَصِيرًا ②4	هُمْ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	وَصَدُّكُمْ
तुम अमल करते हो	खूब देखने वाला	वो ही हैं	जिन्होंने	कुफ़ किया	और उन्होंने रोका तुम्हें
عَنِ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ	وَالْهَدْيِ	مَعْكُوفًا	أَنْ	يَبْلُغَ	مَجَلَّهُ ط
मस्जिदे हराम से	और कुर्बानी के जानवरों को	जो रोके हुए थे	कि	वो पहुंचें	अपनी हलालगाह को
وَلَوْ لَا	رِجَالٌ	مُّؤْمِنُونَ	وَنِسَاءٌ	مُّؤْمِنَاتٌ	لَمْ
और अगर ना होते	कुछ मर्द	मोमिन	और कुछ औरतें	मोमिन	नहीं
تَعْلَمُوهُمْ	أَنْ	تَطَّوَّهُمْ	فَتُصِيبَكُمْ	مِنْهُمْ	مَعَرَّةٌ
तुम जानते उन्हें	कि	तुम पामाल कर दोगे उन्हें	फिर पहुंचती तुम्हें	उन (की वजह) से	कोई तकलीफ़
بِغَيْرِ	عِلْمٍ ج	لَوْ	تَزَيَّلُوا	فِي رَحْمَتِهِ	اللَّهُ
बग़ैर	इल्म के	अगर	वो अलग हो गए होते	अपनी रहमत में	अल्लाह
لَعَذَّبْنَا	الَّذِينَ	كَفَرُوا	مِنْهُمْ	عَذَابًا	أَلِيمًا ②5
अलबत्ता अज़ाब देते हम	उनको जिन्होंने	कुफ़ किया	उनमें से	अज़ाब	दर्दनाक
جَعَلَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	فِي قُلُوبِهِمْ	الْحَمِيَّةَ	حَمِيَّةَ
रख लिया	उन लोगों ने जिन्होंने	कुफ़ किया	अपने दिलों में	हमीयत (ज़िद) को	हमीयत (जैसे)
فَأَنْزَلَ	اللَّهُ	سَكِينَتَهُ	عَلَى رَسُولِهِ	وَعَلَى الْمُؤْمِنِينَ	وَالْزَمَهُمْ
तो नाज़िल की	अल्लाह ने	सकीनत अपनी	अपने रसूल पर	और मोमिनों पर	और उसने लाज़िम कर दी उन पर
كَلِمَةً	التَّقْوَى	وَكَانُوا	أَحَقَّ	بِهَا	وَأَهْلَهَا ط
बात	तक़वा की	और थे वो	ज़्यादा हक़दार	इसके	और अहल इसके
بِكُلِّ	شَيْءٍ	عَلِيمًا ②6	لَقَدْ	صَدَقَ	اللَّهُ
हर	चीज़ को	खूब जानने वाला	अलबत्ता तहक़ीक़	सच्ची ख़बर दी	अल्लाह ने
					अपने रसूल को
					ख़्वाब में

بِالْحَقِّ ٥	لَتَدْخُلَنَّ	الْمَسْجِدَ	الْحَرَامَ	إِنْ	شَاءَ	اللَّهُ	أَمِينٌ ٦
साथ हक के	अलबत्ता तुम ज़रूर दाखिल होगे	मस्जिदे	हराम में	अगर	चाहा	अल्लाह ने	अमन की हालत में
مُحَلِّقِينَ	رُءُوسَكُمْ	وَمُقَصِّرِينَ ٧	لَا تَخَافُونَ ٨	فَعَلِمَ	مَا	لَمْ	
मुंडवाए हुए	अपने सरों को	और तरशवाए हुए	नहीं तुम्हें खौफ होगा	तो उसने जान लिया	जो	नहीं	
تَعْلَمُوا	فَجَعَلَ	مِنْ دُونِ	ذَلِكَ	فَتْحًا	قَرِيبًا ٢٧	هُوَ	الَّذِي
तुम जानते थे	तो उसने कर दी	अलावा	इसके	फ़तह	क़रीबी	वो ही है	जिसने
أَرْسَلَ	رَسُولَهُ	بِالْهُدَى	وَدِينِ الْحَقِّ	لِيُظْهِرَهُ	عَلَى الدِّينِ		
भेजा	अपने रसूल को	साथ हिदायत	और दीने हक के	ताकि वो ग़ालिब कर दे उसे	ऊपर दीन		
كُلِّهِ ٩	وَكَفَى	بِاللَّهِ	شَهِيدًا ٢٨	مُحَمَّدٌ	رَسُولُ	اللَّهِ ٩	
तमाम उसके	और काफ़ी है	अल्लाह	गवाह	मोहम्मद	रसूल हैं	अल्लाह के	
وَالَّذِينَ	مَعَهُ	أَشِدَّاءُ	عَلَى الْكُفَّارِ	رُحَبَاءُ	بَيْنَهُمْ	تَرَاهُمْ	
और वो जो	साथ हैं उनके	सख़्त हैं	काफ़िरो पर	मेहरबान हैं	आपस में	आप देखेंगे उन्हें	
رُكْعًا	سُجْدًا	يَبْتَغُونَ	فَضْلًا	مِّنَ اللَّهِ	وَرِضْوَانًا ١٠	سَيَبَاهُهُمْ	
रुकूअ करते हुए	सज्दा करते हुए	वो तलाश करते हैं	फ़ज़ल	अल्लाह की तरफ़ से	और रज़ामंदी	अलामत उनकी	
فِي وُجُوهِهِمْ	مِّنْ أَثَرِ السُّجُودِ ١١	ذَلِكَ	مِثْلَهُمْ	فِي التَّوْرَةِ ١٢			
उनके चेहरों में है	सज्दों के असर से	ये है	मिसाल उनकी	तौरात में			
وَمِثْلَهُمْ	فِي الْإِنْجِيلِ ١٣	كَزَّرِعَ	أَخْرَجَ	شَطْطَهُ	فَازَرَهُ		
और मिसाल उनकी	इंजील में	मानिंद एक खेती के	जिसने निकाली	कोपल अपनी	फिर उसने मज़बूत किया उसको		
فَاسْتَغْلَظَ	فَاسْتَوَى	عَلَى سَوْقِهِ	يُعْجِبُ	الزُّرَّاعَ	لِيَغِیْظَ		
फिर वो सख़्त हुई	फिर वो खड़ी हो गई	अपने तने पर	वो खुश करती है	काश्तकारों को	ताकि वो ग़ज़बनाक करे		

بِهِمْ	الْكُفَّارَ ط	وَعَدَ	اللَّهُ	الَّذِينَ	أَمَنُوا	وَعَمِلُوا
उनके ज़रिए	काफ़िरों को	वादा किया	अल्लाह ने	उन लोगों से जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए

الصَّالِحَاتِ	مِنْهُمْ	مَغْفِرَةً	وَاجْرًا	عَظِيمًا 29
नेक	उनमें से	बख़्शिश का	और अज़्र	बहुत बड़े का

آيَاتُهَا: 18	سُورَةُ الْحُجُرَاتِ مَدَنِيَّةٌ 106	رُكُوعَاتُهَا: 2
---------------	--------------------------------------	------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ					
---------------------------------------	--	--	--	--	--

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	لَا تُقَدِّمُوا	بَيْنَ يَدَيِ	اللَّهُ	وَرَسُولِهِ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना तुम क्रदम बढ़ाओ	आगे	अल्लाह से	और उसके रसूल से

وَاتَّقُوا اللَّهَ ط	إِنَّ اللَّهَ	سَمِيعٌ	عَلِيمٌ ①	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا
और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	खूब सुनने वाला है	खूब जानने वाला है

لَا تَرْفَعُوا	أَصْوَاتَكُمْ	فَوْقَ	صَوْتِ	النَّبِيِّ	وَلَا	تَجْهَرُوا	لَهُ
ना तुम ऊंचा करो	अपनी आवाज़ों को	ऊपर	आवाज़ के	नबी की	और ना	तुम बुलंद आवाज़ से करो	उनसे

بِالْقَوْلِ	كَجَهْرِ	بَعْضِكُمْ	لِبَعْضٍ	أَنْ	تَحْبَطَ	أَعْمَالُكُمْ
बात	मानिंद बुलंद करने के	तुम्हारे बाज़ के	बाज़ के लिए	कि	(ना) ज़ाया हो जाएँ	आमाल तुम्हारे

وَأَنْتُمْ	لَا تَشْعُرُونَ ②	إِنَّ الَّذِينَ	يَغْضُونَ	أَصْوَاتَهُمْ	عِنْدَ
और तुम	ना तुम शऊर रखते हो	बेशक	वो जो	पस्त रखते हैं	अपनी आवाज़ों को

رَسُولِ اللَّهِ	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	امْتَحَنَ	اللَّهُ	قُلُوبَهُمْ	لِلتَّقْوَى ط
रसूल अल्लाह के	यही वो लोग हैं	जो	आज़मा लिए	अल्लाह ने	दिल उनके	तक़वा के लिए

لَهُمْ	مَغْفِرَةٌ	وَاجْرٌ	عَظِيمٌ ③	إِنَّ الَّذِينَ	يُنَادُونَكَ
उनके लिए	बख़्शिश है	और अज़्र है	बहुत बड़ा	बेशक	वो लोग जो

مِنْ وَرَاءِ الْحُجْرَتِ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ ④	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا	وَلَوْ أَنَّهُمْ صَبَرُوا
बाहर से	हुज्रों के	अक्सर उनके	नहीं वो अकल रखते	और अगर	ये कि वो	वो सब्र करते	
حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ	حَتَّى تَخْرُجَ إِلَيْهِمْ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ
यहां तक कि	आप निकलते	तरफ उनके	अलबत्ता होता	बेहतर	उनके लिए	और अल्लाह	बहुत बख्शने वाला
رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ	رَّحِيمٌ ⑤ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن جَاءَكُمْ فَاسِقٌ بِنَبَأٍ
निहायत रहम करने वाला है	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	अगर	लाए तुम्हारे पास	कोई फ़ासिक	किसी ख़बर को	
فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا	فَتَبَيَّنُوا أَن تُصِيبُوا قَوْمًا بِجَهَالَةٍ فَتُصِحُّوا عَلَى مَا
तो तहकीक़ कर लिया करो	कि	(ना) तुम तकलीफ़ पहुंचाओ	किसी क़ौम को	जहालत से	फिर तुम हो जाओ	ऊपर	उसके जो
فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ	فَعَلْتُمْ نِدْمِينَ ⑥ وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللَّهِ ط لَوْ
किया तुमने	नादिम	और जान लो	बेशक	तुम में	रसूल हैं	अल्लाह के	अगर
يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ	يُطِيعُكُمْ فِي كَثِيرٍ مِّنَ الْأَمْرِ لَعَنَّا وَلَكِنَّ اللَّهَ حَبَبٌ
वो कहा मानें तुम्हारा	बहुत से	मामलात में	अलबत्ता मुश्किल में पड़ जाओ तुम	और लेकिन	अल्लाह ने	महबूब बना दिया	
إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ	إِلَيْكُمْ الْإِيمَانَ وَزَيْنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكَرَّهَ إِلَيْكُمْ
तुम्हारे लिए	ईमान को	और उसने मुज़य्यन कर दिया उसे	तुम्हारे दिलों में	और उसने नापसंदीदा कर दिया	और उसने	तुम्हारी तरफ़	
الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا	الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِصْيَانَ ⑦ أُولَٰئِكَ هُمُ الرُّشِدُونَ ⑧ فَضَلًا
कुफ़	और गुनाह	और नाफ़रमानी को	यही लोग हैं	वो	जो हिदायत याफ़ता हैं	फ़ज़ल है	
مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ	مِّنَ اللَّهِ وَنِعْمَةً ط وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ⑧ وَإِنْ طَائِفَتَيْنِ
अल्लाह की तरफ़ से	और नेअमत	और अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है	ख़ूब हिक्मत वाला है	और अगर	दो गिरोह	
مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ	مِنَ الْمُؤْمِنِينَ اقْتَتَلُوا فَأَصْلَحُوا بَيْنَهُمَا ⑨ فَإِنْ بَغَتْ
मोमिनों में से	वो बाहम लड़ पड़ें	तो सुलह करा दो	दर्मियान उन दोनों के	फिर अगर	ज़्यादती करे		

إِحْدَاهُمَا	عَلَى الْآخَرَى	فَقَاتِلُوا	الَّتِي	تَبْغِي	حَتَّى	تَفِيءَ
उन दोनों में से एक	दूसरे पर	तो लड़ो	उससे जो	ज़्यादाती करे	यहां तक कि	वो पलट आए
إِلَى	أَمْرِ اللَّهِ ٥	فَإِنْ	فَاءَتْ	فَاصْلِحُوا	بَيْنَهُمَا	بِالْعَدْلِ
तरफ़	अल्लाह के हुक्म के	फिर अगर	वो पलट आए	तो सुलह करा दो	दर्मियान उन दोनों के	साथ अदल के
وَأَقْسِطُوا ٦	إِنَّ	اللَّهَ	يُحِبُّ	الْمُقْسِطِينَ ٧	إِنَّمَا	الْمُؤْمِنُونَ
और इंसाफ़ करो	बेशक	अल्लाह	वो पसंद करता है	इंसाफ़ करने वालों को	बेशक	मोमिन तो
إِخْوَةٌ	فَاصْلِحُوا	بَيْنَ	أَخَوَيْكُمْ	وَاتَّقُوا	اللَّهَ	لَعَلَّكُمْ
भाई-भाई हैं	तो सुलह करा दो	दर्मियान	अपने दो भाईयों के	और डरो	अल्लाह से	ताकि तुम
تُرْحَمُونَ ١٠	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	آمَنُوا	لَا يَسْخَرُ	قَوْمٌ	مِّنْ قَوْمٍ	
तुम रहम किए जाओ	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना मज़ाक़ उड़ाए	कोई क्रौम	किसी क्रौम का	
عَسَى	أَنْ	يَكُونُوا	خَيْرًا	مِّنْهُمْ	وَلَا	نِسَاءٌ
हो सकता है	कि	हों वो	बेहतर	उनसे	और ना	औरतों का
عَسَى	أَنْ	يَكُنَّ	خَيْرًا	مِّنْهُنَّ ٥	وَلَا	تَلْبِزُوا
हो सकता है	कि	हों वो	बेहतर	उनसे	और ना	तुम ऐब लगाओ
تَنَابَزُوا	بِالْأَلْقَابِ ٦	بِئْسَ	الِاسْمُ ٧	الْفُسُوقُ ٨	بَعْدَ	
तुम चिढ़ाओ एक दूसरे को	साथ (बुरे) अलक़ाब के	कितना बुरा है	नाम	फ़िस्क़ में	बाद	
الْإِيْسَانِ ٩	وَمَنْ	لَّمْ	يَتَّبِ	فَأُولَئِكَ	هُمْ	الظَّالِمُونَ ١١
ईमान के	और जो कोई	ना	तौबा करे	तो यही लोग हैं	वो	जो ज़ालिम हैं
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	آمَنُوا	اجْتَنِبُوا	كَثِيرًا	مِّنَ الظَّنِّ ٥	إِنَّ	بَعْضَ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	इज्तिनाब करो/बचो	बहुत ज़्यादा	गुमान करने से	बेशक	बाज़

الظَّنَّ	إِنَّهُمْ	وَلَا	تَجَسَّسُوا	وَلَا	يَغْتَبُ	بَعْضُكُمْ	بَعْضًا
गुमान	गुनाह हैं	और ना	तुम तजस्सुस करो	और ना	गीबत करे	बाज़ तुम्हारा	बाज़ की
أَيُّحِبُّ	أَحَدُكُمْ	أَنْ	يَأْكُلَ	لَحْمَ	أَخِيهِ	مَيْتًا	فَكَرِهْتُمُوهُ
क्या पसंद करता है	तुम में से कोई एक	कि	वो खाए	गोश्त	अपने भाई	मुरदा का	पस तुम नापसंद करते हो उसे
وَاتَّقُوا	اللَّهَ	إِنَّ	اللَّهَ	تَوَّابٌ	رَّحِيمٌ	يَا أَيُّهَا النَّاسُ	
और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	बहुत तौबा कुबूल करने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	ऐ लोगो	
إِنَّا	خَلَقْنَكُمْ	مِّنْ ذَكَرٍ	وَأُنْثَى	وَجَعَلْنَكُمْ	شُعُوبًا		
बेशक हम	पैदा किया हमने तुम्हें	एक मर्द से	और एक औरत से	और बनाया हमने तुम्हें	क्रौमें		
وَقَبَائِلَ	لِتَعَارَفُوا	إِنَّ	أَكْرَمَكُمْ	عِنْدَ اللَّهِ			
और कबीले	ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो	बेशक	तुम में सबसे ज़्यादा इज़्ज़त वाला	अल्लाह के नज़दीक			
أَتَّقَكُمْ	إِنَّ اللَّهَ	عَلِيمٌ	خَبِيرٌ	قَالَتْ	الْأَعْرَابُ		
तुम में सबसे ज़्यादा तक़वा वाला है	बेशक	अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है	ख़ूब ख़बर रखने वाला है	कहा	देहातियों/बदवियों ने	
أَمَنَّا	قُلْ	لَمْ	تُؤْمِنُوا	وَلَكِنْ	قُولُوا	أَسْلَمْنَا	وَلَبَّا
ईमान लाए हम	कह दीजिए	नहीं	तुम ईमान लाए	और लेकिन	कहो	इस्लाम लाए हम	और अभी तक नहीं
يَدْخُلِ	الْإِيمَانُ	فِي قُلُوبِكُمْ	وَإِنْ	تُطِيعُوا	اللَّهَ	وَرَسُولَهُ	
दाख़िल हुआ	ईमान	तुम्हारे दिलों में	और अगर	तुम इताअत करोगे	अल्लाह की	और उसके रसूल की	
لَا يَلِيْتَكُمْ	مِّنْ أَعْمَالِكُمْ	شَيْئًا	إِنَّ	اللَّهَ	غَفُورٌ		
नहीं वो कमी करेगा तुमसे	तुम्हारे आमाल में से	कुछ भी	बेशक	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है		
رَّحِيمٌ	إِنَّمَا	الْمُؤْمِنُونَ	الَّذِينَ	أَمَنُوا	بِاللَّهِ	وَرَسُولِهِ	ثُمَّ
निहायत रहम करने वाला है	बेशक	मोमिन तो	वो लोग हैं जो	ईमान लाए	अल्लाह पर	और उसके रसूल पर	फिर

لَمْ	يَرْتَابُوا	وَجْهَدُوا	بِأَمْوَالِهِمْ	وَأَنْفُسِهِمْ	فِي سَبِيلِ اللَّهِ ط
नहीं	वो शक में पड़े	और उन्होंने जिहाद किया	साथ अपने मालों	और अपनी जानों के	अल्लाह के रास्ते में

أُولَئِكَ هُمْ	الْصَّادِقُونَ 15	قُلْ	اتَّعَلِّمُونَ	اللَّهُ	بِدِينِكُمْ ط
यही लोग हैं	वो	जो सच्चे हैं	कह दीजिए	क्या तुम बताते हो	अल्लाह को अपना दीन

وَاللَّهُ	يَعْلَمُ	مَا	فِي السَّمَوَاتِ	وَمَا	فِي الْأَرْضِ ط	وَاللَّهُ	بِكُلِّ
हालाकि अल्लाह	वो जानता है	जो कुछ	आसमानों में है	और जो कुछ	ज़मीन में है	और अल्लाह	हर

شَيْءٍ	عَلِيمٌ 16	يَسْتُونَ	عَلَيْكَ	أَنْ	أَسْلَمُوا ط	قُلْ
चीज़ का	ख़ूब इल्म रखने वाला है	वो एहसान जताते हैं	आप पर	कि	वो इस्लाम ले आए	कह दीजिए

لَا تَتَّبِعُوا	عَلَى	إِسْلَامِكُمْ ه	بَلِ	اللَّهُ	يُنِّ	عَلَيْكُمْ	أَنْ
ना तुम एहसान जताओ	मुझ पर	अपने इस्लाम का	बल्कि	अल्लाह	वो एहसान करता है	तुम पर	कि

هَذَا	لِلْإِيمَانِ	إِنْ	كُنْتُمْ	صَادِقِينَ 17	إِنَّ	اللَّهُ	يَعْلَمُ
उसने हिदायत दी तुम्हें	ईमान के लिए	अगर	हो तुम	सच्चे	बेशक	अल्लाह	वो जानता है

غَيْبِ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ ط	وَاللَّهُ	بَصِيرٌ 18	بِمَا	تَعْمَلُونَ 18
ग़ैब	आसमानों	और ज़मीन के	और अल्लाह	ख़ूब देखने वाला है	उसे जो	तुम अमल करते हो

آيَاتُهَا: 45	سُورَةُ ق مَكِّيَّةٌ 34	رُكُوعَاتُهَا: 3
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ		

ق 1	وَالْقُرْآنِ	الْبَجِيدِ 1	بَلِ	عَجَبُوا	أَنْ	جَاءَهُمْ	مُنْذِرٌ
ق	क़ुरआन की	जो बड़ी शान वाला है	बल्कि	उन्हें ताअज्जुब हुआ	कि	आ गया उनके पास	एक डराने वाला

مِنْهُمْ	فَقَالَ	الْكَافِرُونَ	هَذَا	شَيْءٌ	عَجِيبٌ 2	عَإِذَا	مِثْنًا
उन्हीं में से	तो कहा	काफ़िरों ने	ये	एक चीज़ है	अजीब	क्या जब	मर जाएंगे हम

وَكُنَّا	تُرَابًا ٥	ذَلِكَ	رَجَعُ ٦	بَعِيدٌ ٣	قَدْ	عَلِمْنَا	مَا
और हो जाएंगे हम	मिट्टी	ये	पलटना है	बहुत दूर का	तहकीक	जान लिया हमने	जो
تَنْقُصُ	الْأَرْضُ	مِنْهُمْ ٧	وَعِنْدَنَا	كِتَابٌ	حَفِيطٌ ٤	بَلْ	
कम करती है	ज़मीन	उनमें से	और हमारे पास	एक किताब है	खूब हिफाज़त करने वाली	बल्कि	
كَذَّبُوا	بِالْحَقِّ	لَبَّا	جَاءَهُمْ	فَهُمْ	فِي أَمْرٍ	مَّرِيحٌ ٥	
उन्होंने झुठलाया	हक़ को	जब	वो आ गया उनके पास	तो वो	एक मामले में हैं	उलझे हुए	
أَفَلَمْ	يَنْظُرُوا	إِلَى السَّمَاءِ	فَوْقَهُمْ	كَيْفَ	بَنَيْنَاهَا	وَزَيَّنَّاهَا	
क्या भला नहीं	उन्होंने देखा	तरफ़ आसमान के	अपने ऊपर	किस तरह	बनाया हमने उसे	और मुज़य्यन किया हमने उसे	
وَمَا	لَهَا	مِنْ فُرُوجٍ ٦	وَالْأَرْضِ	مَدَدْنَاهَا	وَأَلْقَيْنَا	فِيهَا	
और नहीं है	उसमें	कोई शगाफ़	और ज़मीन	फैलाया हमने उसे	और डाले हमने	उसमें	
رَوَّاسِي	وَأَنْبَتْنَا	فِيهَا	مِنْ كُلِّ	زَوْجٍ	بِهَيْجٍ ٧	تَبَصَّرَةٌ	
पहाड़	और उगाए हमने	उसमें	हर किसिम के	जोड़े	बारौनक़	बतौर बसीरत	
وَذِكْرِي	لِكُلِّ عَبْدٍ	مُنِيبٍ ٨	وَنَزَّلْنَا	مِنَ السَّمَاءِ	مَاءً		
और नसीहत	वास्ते हर बंदे	रुजूअ करने वाले के	और उतारा हमने	आसमान से	पानी		
مُبْرَكًا	فَأَنْبَتْنَا	بِهِ	جَنَّتِ	وَحَبَّ	الْحَصِيدِ ٩	وَالنَّخْلِ	
बरकत वाला	फिर उगाए हमने	साथ उसके	बागात	और अनाज	कटी हुई खेती के	और ख़ज़ूर के दरख़्त	
بُسْقَتٍ	لَهَا	طَلْعٌ	نَضِيدٌ ١٠	رِزْقًا	لِلْعِبَادِ ١	وَاحْيَيْنَا	
बुलंद व वाला	उनके लिए	खोशे हैं	तह ब तह/ऊपर नीचे	रिज़क़ है	बंदों के लिए	और ज़िंदा किया हमने	
بِهِ	بَلَدَةً	مَيِّتًا ١	كَذَلِكَ	الْخُرُوجِ ١١	كَذَّبَتْ	قَبْلَهُمْ	
साथ उसके	शहर	मुरदा को	इसी तरह होगा	निकलना	झुठलाया	उनसे क़ब्ल	

قَوْمٌ	نُوحٌ	وَاصْحَابُ الرَّسِّ	وَتَمُودُ ⑫	وَعَادُ	وَفِرْعَوْنُ
कौमे	नूह	और असहाबे-रस (कुएं वालों)	और समूद ने	और आद	और फिरऔन
وَإِخْوَانُ لُوطٍ ⑬	وَاصْحَابُ الْأَيْكَةِ	وَقَوْمُ ثُبَيْعٍ ط	كُلُّ	كَذَّابٌ	
और लूत के भाईयों ने	और असहाबे ऐका (जंगल वालों)	और कौमे तुब्बअ ने	सब ने	झुठलाया	
الرُّسُلَ	فَحَقَّ	وَعِيدٌ ⑭	أَفْعَيْنَا	بِالْخَلْقِ الْأَوَّلِ ط	بَلُ
रसूलों को	तो साबित हो गई	वईद मेरी	क्या भला थक गए हम	पहली तखलीक से	बल्कि
هُمْ	فِي لَبْسٍ	مِّنْ خَلْقٍ جَدِيدٍ ⑮	وَلَقَدْ	خَلَقْنَا	الْإِنْسَانَ
वो	शक में हैं	नई पैदाइश से	और अलबत्ता तहक्रीक	पैदा किया हमने	इंसान को
وَنَعْلَمُ	مَا	تُوسُّوسُ بِهِ	نَفْسُهُ ط	وَنَحْنُ	أَقْرَبُ إِلَيْهِ
और हम जानते हैं	जो	वसवसा डालता है	उसे	नफ़स उसका	और हम
					ज्यादा करीब हैं
وَنَحْنُ	أَقْرَبُ إِلَيْهِ	وَنَحْنُ	نَفْسُهُ ط	وَنَحْنُ	أَقْرَبُ إِلَيْهِ
और हम जानते हैं	जो	वसवसा डालता है	उसे	नफ़स उसका	और हम
					ज्यादा करीब हैं
وَعَنِ الشِّمَالِ	قَعِيدٌ ⑯	مَا	يَلْفِظُ	مِنْ قَوْلٍ	إِلَّا
और बाएँ तरफ़ से	बैठे हुए	नहीं	वो बोलता	कोई बात	मगर
					उसके पास है
رَقِيبٌ	عَتِيدٌ ⑰	وَجَاءَتْ	سَكْرَةً	السَّوْتِ	بِالْحَقِّ ط
एक मुहाफ़िज/निगरान	तैयार	और आ गई	बेहोशी	मौत की	साथ हक़ के
					यही है
مَا	كُنْتَ	مِنْهُ	تَحِيدٌ ⑱	وَنُفِخَ	فِي الصُّورِ ط
वो जो	था तू	उससे	तू भागता	और फूँका जाएगा	सूर में
					ये
					दिन है
الْوَعِيدِ ⑲	وَجَاءَتْ	كُلُّ	نَفْسٍ	مَّعَهَا	سَائِقٌ
वादे का	और आया	हर	नफ़स	उसके साथ (होगा)	एक हांकने वाला
					और एक गवाही देने वाला

لَقَدْ	كُنْتَ	فِي غَفْلَةٍ	مِّنْ هَذَا	فَكَشَفْنَا	عَنْكَ	غِطَاءَكَ
अलबत्ता तहकीक	था तू	शफ़लत में	उससे	तो हटा दिया हमने	तुझसे	पर्दा तेरा
فَبَصَرُكَ	الْيَوْمَ	حَدِيدٌ 22	وَقَالَ	قَرِينُهُ	هَذَا	مَا
तो निगाह तेरी	आज	बहुत तेज़ है	और कहेगा	साथी (फ़रिश्ता) उसका	ये है	जो
عَتِيدٌ 23	الْقِيَا	فِي جَهَنَّمَ	كُلَّ	كَفَّارٍ	عَنِيدٍ 24	مِّنَّاعٍ
तैयार	तुम दोनों डाल दो	जहन्नम में	हर	बहुत नाशुके	अनाद रखने वालो को	बहुत रोकने वाले को
لِّلْخَيْرِ	مُعْتَدٍ	مُّرِيبٌ 25	الَّذِي	جَعَلَ	مَعَ	اللَّهِ
ख़ैर से	हृद से निकलने वाले	शक में पड़े हुए को	जिसने	बना लिया	साथ	अल्लाह के
أَخْرَ	فَالْقِيَهُ	فِي الْعَذَابِ الشَّدِيدِ 26	قَالَ	قَرِينُهُ	رَبَّنَا	
दूसरा	पस तुम दोनों डाल दो उसे	शदीद अज़ाब में	कहेगा	साथी (शैतान) उसका	ऐ हमारे रब	
مَا	أَطْعَيْتُهُ	وَلَكِنْ	كَانَ	فِي ضَلَلٍ	بَعِيدٍ 27	قَالَ
नहीं	सरकश बनाया मैंने उसे	और लेकिन	था वो	गुमराही में	बहुत दूर की	वो फ़रमाएगा
لَا تَخْتَصِمُوا	لَدَيَّ	وَقَدْ	قَدَّامْتُ	إِلَيْكُمْ	بِالْوَعِيدِ 28	مَا
ना तुम झगड़ा करो	मेरे पास	हालांकि तहकीक	पहले भेज दी मैंने	तरफ़ तुम्हारे	वईद	नहीं
يُبَدَّلُ	الْقَوْلُ	لَدَيَّ	وَمَا	أَنَا	بِظُلَامٍ 29	لِّلْعَبِيدِ 30
बदली जाती	बात	मेरे पास	और नहीं हूँ	मैं	कोई ज़ुलम करने वाला	बंदों पर
نَقُولُ	لِجَهَنَّمَ	هَلْ	امْتَلَأَتْ	وَتَقُولُ	هَلْ	مِنْ مَّزِيدٍ 30
हम कहेंगे	जहन्नम से	क्या	भर गई तू	और वो कहेगी	क्या है	कुछ मज़ीद
وَأُزْلِفَتْ	الْجَنَّةُ	لِلْمُتَّقِينَ	غَيْرَ بَعِيدٍ 31	هَذَا	مَا	تُوعَدُونَ
और करीब लाई जाएगी	जन्नत	मुत्तकी लोगों के लिए	कुछ दूर ना होगी	ये है	वो जो	तुम वादा किए जाते थे

لِكُلِّ	أَوَّابٍ	حَفِيفٌ 32	مَنْ	خَشِيَ	الرَّحْمَنَ	بِالْغَيْبِ
वास्ते हर	बहुत रुजूअ करने वाले	बहुत हिफाज़त करने वाले के	जो	डरा	रहमान से	गायबाना/बिन देखे
وَجَاءَ	بِقَلْبٍ	مُنِيبٍ 33	ادْخُلُوهَا	بِسَلَامٍ ط	ذَلِكَ	يَوْمُ
और वो लाया	दिल	रुजूअ करने वाला	दाखिल हो जाओ इसमें	साथ सलामती के	ये	दिन है
الْخُلُودِ 34	لَهُمْ	مَا	يَشَاءُونَ	فِيهَا	وَلَدَيْنَا	مَزِيدٌ 35
हमेशगी का	उनके लिए होगा	जो	वो चाहेंगे	उसमें	और हमारे पास	मज़ीद है
وَكَمْ	أَهْلَكْنَا	قَبْلَهُمْ	مِّنْ قَرْنٍ	هُمْ	أَشَدُّ	مِنْهُمْ
और कितनी ही	हलाक कीं हमने	इनसे पहले	उम्में	वो	ज़्यादा शदीद थीं	इनसे
فَنَقَّبُوا	فِي الْبِلَادِ ط	هَلْ	مِنْ مَّحِيصٍ 36	إِنَّ	فِي ذَلِكَ	
तो उन्होंने छान मारा था	मुल्कों को	क्या है	कोई जाए पनाह	यक़ीनन	इसमें	
لَذِكْرِي	لِسَنٍ	كَانَ	لَهُ	قَلْبٌ	أَوْ	أَلْقَى السَّمْعَ
अलबत्ता नसीहत है	वास्ते उसके जो	हो	उसके लिए	दिल	या	वो लगाए
وَهُوَ	شَهِيدٌ 37	وَلَقَدْ	خَلَقْنَا	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضَ	وَمَا
जबकि वो	हाज़िर हो	और अलबत्ता तहक़ीक़	पैदा किया हमने	आसमानों	और ज़मीन को	और जो
بَيْنَهُمَا	فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ط	وَمَا	مَسَّنَا	مِنْ لُّغُوبٍ 38	فَاصْبِرْ	
दर्मियान है इन दोनों के	छः दिनों में	और नहीं	छुआ हमें	किसी थकावट ने	पस सब्र कीजिए	
عَلَى	مَا	يَقُولُونَ	وَسَبِّحْ	بِحَمْدِ	رَبِّكَ	قَبْلَ
ऊपर	उसके जो	वो कहते हैं	और तस्बीह कीजिए	साथ हम्द के	अपने रब की	पहले
الشَّمْسِ	وَقَبْلَ	الْغُرُوبِ 39	وَمِنَ اللَّيْلِ	فَسَبِّحْهُ	وَادْبَارَ	
सूरज के	और पहले	गुरुब होने से	और रात में से	पस तस्बीह कीजिए उसकी	और बाद	

السُّجُودِ ④٠	وَاسْتَبِيعُ	يَوْمَ	يُنَادِ	الْبُنَادِ	مِنْ مَّكَانٍ	قَرِيبٍ ④١
सज्दों के	और ग़ौर से सुनिए	जिस दिन	पुकारेगा	पुकारने वाला	एक जगह से	करीब की

يَوْمَ	يَسْعَوْنَ	الصَّيْحَةَ	بِالْحَقِّ ④	ذَلِكَ	يَوْمَ	الْخُرُوجِ ④٢	إِنَّا
जिस दिन	वो सुनेंगे	चिंघाड़ को	साथ हक के	ये होगा	दिन	निकलने का	बेशक हम

نَحْنُ	نُحْيِ	وَنُيِّتُ	وَإِلَيْنَا	الْمَصِيرُ ④٣	يَوْمَ	تَشَقَّقُ
हम ही	हम ज़िंदा करते हैं	और हम मौत देते हैं	और तरफ़ हमारे ही	लौटना है	जिस दिन	शक़ हो जाएगी

الْأَرْضُ	عَنْهُمْ	سِرَاعًا ④	ذَلِكَ	حَشْرُ	عَلَيْنَا	يَسِيرُ ④٤
ज़मीन	उनसे	तेज़ दौड़ने वाले होंगे	ये है	हशर/इकट्ठा करना	हम पर	बहुत आसान

نَحْنُ	أَعْلَمُ	بِمَا	يَقُولُونَ	وَمَا	أَنْتَ	عَلَيْهِمْ
हम	ज़्यादा जानते हैं	उसे जो	वो कहते हैं	और नहीं	आप	उन पर

بِجَبَّارٍ ⑤	فَذَكِّرْ	بِالْقُرْآنِ	مَنْ	يَخَافُ	وَعِيدِ ④٥
ज़बरदस्ती करने वाले	पस नसीहत कीजिए	साथ कुरआन के	उसे जो	डरता हो	मेरी वईद से

أَيَاتُهَا: 60	سُورَةُ الذِّرِّيَّتِ مَكِّيَّةٌ 67	رُكُوعَاتُهَا: 3
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ		

وَالذِّرِّيَّتِ	ذَرَوْا ①	فَالْحِصْلَتِ	وَقَرَأَ ②	فَالْجُرِيَّتِ
क्रसम है उन हवाओं की जो बिखरने वाली हैं	उड़ा कर	फिर उठाने वालीयां हैं	बोझ को	फिर चलने वालीयां हैं

يُسْرًا ③	فَالْمُقَسَّسَتِ	أَمْرًا ④	إِنَّمَا	تُوعَدُونَ	لَصَادِقٌ ⑤
आसानी से	फिर तक्रसीम करने वालीयां हैं	काम को	बेशक जो	तुम वादा किए जाते हो	अलबत्ता सच्चा है

وَإِنَّ	الدِّينَ	لَوَاقِعٌ ⑥	وَالسَّاءِ	ذَاتِ الْحُبْلِ ⑦	إِنَّكُمْ
और बेशक	बदला (का दिन)	अलबत्ता वाक़ेअ होने वाला है	क्रसम है आसमान की	रास्तों वाले	बेशक तुम

لَفِي قَوْلٍ	مُخْتَلِفٍ ⑧	يُؤْفَكُ	عَنْهُ	مَنْ	أُفِكَ ⑨	قُتِلَ
अलबत्ता एक बात में हो	मुख्तलिफ़	फेरा जाता है	उससे	जो	फेरा गया	मारे गए
الْخَرَّصُونَ ⑩	الَّذِينَ	هُمْ	فِي غُرَّةٍ	سَاهُونَ ⑪	يَسْأَلُونَ	
अंदाज़े लगाने वाले	वो लोग जो	वो	ग़फ़लत में	भूले हुए हैं	वो सवाल करते हैं	
أَيَّانَ	يَوْمُ	الَّذِينَ ⑫	يَوْمَ	هُمْ	عَلَى النَّارِ	يُفْتَنُونَ ⑬
कब होगा	दिन	बदले का	उस रोज़	वो	आग पर	वो तपाए जाएंगे
ذُقُوا	فِتْنَتَكُمْ ⑭	هَذَا	الَّذِي	كُنْتُمْ	بِهِ	تَسْتَعْجِلُونَ ⑮
चखो	अज़ाब अपना	ये है	वो जो	थे तुम	जिसे	तुम जल्दी तलब करते
إِنَّ	الْبَاقِينَ	فِي جَنَّتٍ	وَعِيُونَ ⑯	أَخِذِينَ	مَا	أَتَاهُمْ
बेशक	मुत्तक़ी लोग	बाग़ात में	और चश्मों में होंगे	लेने वाले होंगे	जो	देगा उन्हें
رَبُّهُمْ ⑰	إِنَّهُمْ	كَانُوا	قَبْلَ	ذَلِكَ	مُحْسِنِينَ ⑱	كَانُوا قَلِيلًا
रब उनका	बेशक वो	थे वो	क़ब्ल	इसके	नेकोकार	थे वो कम ही
مِّنَ اللَّيْلِ	مَا	يَهْجَعُونَ ⑲	وَبِالْأَسْحَارِ	هُمْ	يَسْتَغْفِرُونَ ⑳	
रात को	जो	वो सोते थे	और सहरी के वक़्त	वो	वो इस्तग़फ़ार करते थे	
وَفِي أَمْوَالِهِمْ	حَقٌّ	لِّلسَّائِلِ	وَالْمَحْرُومِ ㉑	وَفِي الْأَرْضِ	أَيُّ	
और उनके मालों में	हक़ था	वास्ते सवाली	और महरूम के	और ज़मीन में	निशानियां हैं	
لِّلْمُوقِنِينَ ㉒	وَفِي أَنْفُسِكُمْ ⑳	أَفَلَا	تُبْصِرُونَ ㉓	وَفِي السَّمَاءِ		
यक़ीन करने वालों के लिए	और तुम्हारे नफ़्सों में भी	क्या भला नहीं	तुम देखते	और आसमान में		
رِزْقِكُمْ	وَمَا	تُوعَدُونَ ㉔	فَوَرَبِّ	السَّمَاءِ	وَالْأَرْضِ	إِنَّهُ
रिज़क़ है तुम्हारा	और जो	तुम वादा किए जाते हो	पस क़सम है रब की	आसमान	और ज़मीन के	बेशक वो

ع 23
18ع 23
18

لَحَقُّ	مِثْلَ	مَا	أَنْتُمْ	تَنْطِقُونَ ²³	هَلْ	أَتَيْتُكَ	حَدِيثُ
अलबत्ता हक है	मानिंद	उसके जो	बेशक तुम	तुम बोलते हो	क्या	आई आपके पास	खबर
ضَيْفٌ	إِبْرَاهِيمَ	الْمُكْرَمِينَ ²⁴	إِذْ	دَخَلُوا	عَلَيْهِ	فَقَالُوا	
मेहमानों की	इब्राहीम के	जो मोअज़्जिज़ थे	जब	वो दाखिल हुए	उस पर	तो उन्होंने कहा	
سَلَامًا	قَالَ	سَلَامٌ ²⁵	قَوْمٌ	مُنْكَرُونَ ²⁵	فَرَاغَ	إِلَى أَهْلِهِ	
सलाम हो	उसने कहा	सलाम हो	लोग हो	अजनबी	फिर वो गया	तरफ़ अपने घर वालों के	
فَجَاءَ	بِعَجَلٍ	سَيِّئِينَ ²⁶	فَقَرَّبَهُ	إِلَيْهِمْ	قَالَ	أَلَا	
पस वो ले आया	एक बछड़ा (भुना हुआ)	मोटा-ताज़ा	फिर उसने करीब किया उसे	तरफ़ उनके	उसने कहा	क्या नहीं	
تَأْكُلُونَ ²⁷	فَأَوْجَسَ	مِنْهُمْ	خِيفَةً ²⁸	قَالُوا	لَا تَخَفْ ²⁹		
तुम खाते	तो उसने महसूस किया	उनसे	खौफ़	उन्होंने कहा	ना तुम डरो		
وَبَشَّرُوهُ	بِغُلَمٍ	عَلِيمٍ ²⁸	فَأَقْبَلَتْ	أَمْرَأَتُهُ	فِي صَرَّةٍ		
और उन्होंने खुशख़बरी दी उसे	एक लड़के	बहुत इल्म वाले की	तो आगे बढ़ी	बीवी उसकी	एक चीख़ के साथ		
فَصَكَّتْ	وَجْهَهَا	وَقَالَتْ	عَجُوزٌ	عَقِيمٌ ²⁹	قَالُوا	كَذَلِكَ ³⁰	
तो उसने हाथ मारा	अपने चेहरे पर	और वो कहने लगी	बुढ़िया	बांझ	उन्होंने कहा	इसी तरह होगा	
قَالَ	رَبُّكَ ³⁰	إِنَّهُ	هُوَ	الْحَكِيمُ	الْعَلِيمُ ³⁰		
फ़रमाया है	तेरे रब ने	बेशक वो	वो ही है	ख़ूब हिक्मत वाला	बहुत इल्म वाला		